२—लाला तिलोकचन्दजी ने पूरनमल श्यामलाल के यहाँ से १० तोला सोना दर २२) चाँदी १०० भर दर ॥=) खरीदी तो तिलोकचन्दजी इसको अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

३—मोहनलाल के यहाँ से तुलसीराम आज ५ सेर बूरा दर ऽ२॥ लेगया मोहनलाल जी ने ज्ञानचन्दजी के यहाँ से १० बोरी बूरा दर ३६) और ३ बोरी खाँड़ दर १३।-) ४ मँगाई तो मोहनलालजी अपने रोज़नामचे में इसको कैसे लिखेंगे ?

(२) उधार माल का क्रय-विक्रय।

उदाहरण १—दौलतराम खाती ने मदनलाल ख्यालीराम की टाल से २० तख्ता दर ॥), सोट १० दर ॥।) उधार ख़रीदे तो दौलतराम अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेगा ?

जमा	नाम
१७॥) मदनलाल ख्यालीरामके जमा	१७॥) लकड़ी खाते नाम
१०) तख्ता २० दर ॥)	१०) तख्ता २० दर ॥)
७॥) सोट १० दर ॥।)	७॥) सोट १० दर ॥।)
१७॥)	१७॥)

उदाहरण २—दौलतराम, खाती के यहां से तोताराम पटवारी १ ठेला ३० रुपये को उधार लेगये तो दौलतराम इसको अपने नामचे में कैसे लिखेगा ?

जमा	नाम
३०) ठेला खाता जमा	३०) तोताराम पटवारी के
३०) ठेला नग १	३०) ठेला नग १

उदाहरण ३—किशोरीलाल ने लाला जानकीदास की दुकान से ५० मन गेहूँ दर ४।।।≡) उधार ख़रीदे और उसी दिन किशोरीलालजी की दुकान से किशनलाल कारिन्दा ५ मन गेहूँ दर ५) चना २ मन दर ४) उधार लेगया तो किशोरीलालजी अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे।

जमा	नाम
२४६।।।=) ला० जानकीदास के जमा	२४६।।।=) गेहूँ खाते नाम
२४६।।।=) गेहूँ मन ५०	२४६।।।=) गेहूँ मन ५०
दर ४।।।≡)	दर ४।।।≡)
३३) अनाज खाते जमा	३३) किशनलाल कारिन्दा के नाम
२५) गेहूँ मन ५ दर ५)	२५) गेहूँ मन ५ दर ५)
८) चना मन २ दर ४)	८) चना मन २ दर ४)
३३)	३३)

रीति (१) जितने रुपये का माल किसी के यहाँ से उधार ख़रीदा जाता है वह रुपया उस आदमी के नाम जमा करते हैं जिसके यहाँ से माल आया है और उसी रुपये को उस माल के खाते नाम लिखते हैं।

(२) यदि कई चीज़ें एक ही की दुकान से उधार लाई जाती हैं तो उन सब चीज़ों की क़ीमत का जोड़ उस आदमी के नाम जमा करके पेटे में ब्यौरा लिख देते हैं और उसी जोड़ को माल खाते नाम लिखकर पेटे में प्रत्येक का ब्यौरा लिखते हैं।

(३) जितने रुपये का माल किसी आदमी को उधार देते हैं, वह रुपये उस आदमीके नाम लिखते हैं और उसी रुपये को उस माल के खाते में जमा करते हैं।

(४) यदि एक ही आदमी कई वस्तु उधार लेजाता है तो उन सब की क़ीमतों का जोड़ उस आदमी के नाम लिखकर पेटे में प्रत्येक का ब्यौरा लिख देते हैं और उसी जोड़ को माल खाते जमा करके पेटे में ब्यौरा लिख देते हैं।

अभ्यासार्थ प्रश्न।

१—मनमोहनलालजी के यहाँ से लाला ज्ञानचन्द १२ तोले सोना दर २२) उधार लेगये मनमोहनलालजी आजही दौलतराम फूलचन्द के यहां से ४० तोले सोना दर २१॥) उधार लाये तो इसको मनमोहनलालजी अपनी कच्ची रोकड़ बही में कैसे लिखेंगे ?

२—श्यामलाल पंसारी ऽ५ छाली दर ॥।=) धनिया ऽ५ दर ॥।) जनकलालजी से उधार लाया और उसी दिन खमानीराम दुकान-दार को ऽ३ छाली दर १) धनियाँ २ सेर दर ॥।-)॥ उधार दिया तो श्यामलाल पंसारी अपने रोज़नाचे में कैसे लिखेगा ?

३—लाला छोटेलाल बज़ाज़ की दुकान से आज अल्लाहबख़्श पटवारी ने ४ धोती जोड़ा दर ४), तीन रूमाल दर =) उधार ख़रीदे और छोटेलाल ने उसी दिन लाला श्यामसुन्दरलाल के यहां से ५० धोती जोड़ा दर ३॥।≡)॥ उधार ख़रीदे तो छोटेलालजी इसको अपने रोज़नामचे में किस तरह लिखेंगे ?

---

(३) नक़द और उधार माल क्रय-विक्रय के मिश्रित अभ्यासार्थ प्रश्न।

(१) लाला खमानीराम ने श्यामलाल पटवारी के हाथ ३ धोतीजोड़ा दर ४), पांच जोड़ी मोज़ा दर ।) उधार बेचे लाला किशनलाल के हाथ ४ रूमाल दर ≡), मलमल गज़ ५ दर ॥) बेची लाला विशनस्वरूप के यहां से ४० धोती जोड़ा दर ३॥≡) उधार मँगाये और हरसुखदास के यहां से मलमल थान ४ दर ५०) मँगाये तो इसको लाला खमानीराम अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे?

जमा	नाम
१६॥) कपड़ा खाते जमा	१३।) श्यामलाल पटवारी के नाम
१२) धोती जोड़ा ३ दर ४)	१२) धोती जोड़ा ३ दर ४)
१।) मोज़ा जोड़ी ५ दर ।)	१।) मोज़ा जोड़ी ५ दर ।)
॥।) रूमाल ४ दर ≡)	
२॥) मलमल गज़ ५ दर ॥)	१३।)
१६॥)	३५७॥) कपड़ा खाते नाम
	१५७॥) धोती जोड़ा ४० दर ३॥≡)
१५७॥) किशनस्वरूप के जमा	
१५७॥) धोतीजोड़ा ४० दर ३॥≡)	२००) मलमल थान ४ दर ५०)
	३५७॥)

(२) लाला जगमोहनलाल के यहाँ से लाला तुलाराम ने २० चाकू सन्दली दर ≡)॥ क़ैंची अलीगढ़ की २ दर्जन दर १॥=) उधार ख़रीदी मलूकचन्द पटवारी ने सरौते ५ दर ॥) ख़रीदे जगमोहनलाल जी नें लाला ज्ञानीराम के यहां से क़ैंची दर्जन २० दर १॥) उधार मँगाई और ख़ादिमहुसैन की दुकान से ताले दर्जन २ दर ४॥) के मँगाये तो इसको जगमोहनलाल जी अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
८॥=) माल खाते जमा	६।=) लाला तुलाराम के नाम
३≡) चाकू २० दर ≡)॥	३≡) चाकू २० दर ≡)॥
३।) क़ैंची दर्जन २ दर १॥=)	३।) क़ैंची दर्जन २ दर १॥=)
२॥) सरौते ५ दर ॥)	६।=)
८॥=)	
३०) लाला ज्ञानीराम के जमा	३६) माल खाते नाम
३०) क़ैंची दर्जन २० दर १॥)	३०) क़ैंची दर्जन २० दर १॥)
	६) ताले दर्जन २ दर ४॥)
	३६)

(३) लाला घासीराम के यहां से शौकतअली बाजरा मन २ दर ४॥) लेगया हुलासाराम घोसी ७ मन चना दर ४) और गेहूँ मन २ दर ४॥) उधार लेगया घासीराम जी ने नैनसुखदास की दुकान से ५० मन चना दर ३॥≡) उधार ख़रीदे और नौबतराम के यहां से

जौ बोरी ५ दर १०) और गेहूँ बोरी ४ दर ११।) मँगाये तो लाला घासीराम इसको अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
४६॥) माल खाते जमा	३७॥) हुलासीराम घोसी के नाम
२८) चना मन ७ दर ४)	२८) चना मन ७ दर ४)
६॥) गेहूँ मन २ दर ४॥।)	६॥) गेहूँ मन २ दर ४॥।)
६) बाजरा मन २ दर ४॥)	
	३७॥)
४६॥)	
	२६१॥।=) माल खाते नाम
१६६॥।=) नैनसुखदास के जमा	१६६॥।=) चना मन ५०
१६६॥।=) चना मन ५०	दर ३॥।≡)
दर ३॥।≡)	५०) जौ बोरी ५ दर १०)
	४५) गेहूँ बोरी ४ दर ११।)
	२६१॥।=)

नोट—जहाँ शब्द "उधार" न दिया हो उसे नक़द ही जानना चाहिए।

---

(४) नक़द रुपये का लैन-दैन।

उदाहरण १—लाला ख़्यालीराम ने लाला त्रिवेनीसहाय पटवारी को ५०) रु० २) प्रति सैकड़ा माहवार पर उधार दिये लाला प्रेमनरायन ८०) जमा कर गये तो इस लैन-दैन को लाला ख़्यालीराम अपने रोज़-नामचे में कैसे लिखेंगे।

जमा	नाम
८०) ला० प्रेमनरायन के जमा	५०) ला० त्रिवेनीसहाय के नाम
८०) रोकड़ हस्ते खुद	५०) रोकड़ २) प्रति सै० मा० हस्ते खुद

उदाहरण २—लाला गङ्गाप्रसाद ने पण्डित लड़ैतेलाल से १००) १ प्रतिशत मासिक पर कर्ज़ लिये और कन्हैयालाल को ८०) २ प्रतिशत मासिक पर उधार दिये तो लाला गङ्गाराम इसको अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
१००) पण्डित लड़ैतेलालजी के जमा	८०) कन्हैयालाल के नाम
१००) रोकड़ १) प्रतिशत मा० हस्ते खुद	८०) रोकड़ २) प्रतिशत मा० हस्ते खुद

उदाहरण ३—लाला दरबारीलालजी ने आज ५००) बैङ्क से निकाल कर लाला प्रेमशङ्कर को २) प्रतिशत माहवार पर कर्ज़ दिये और २०) का कपड़ा घर को भेजा, लाला टोड़ीराम १००) जमा कर गये तो इसको लाला दरबारीलालजी अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
५००) बैङ्क खाता जमा	५००) लाला प्रेमशङ्कर के नाम
५००) रोकड	५००) रोकड़ २) प्रतिशत माहवार हस्ते खुद
१००) लाला टोड़ीराम के जमा	२०) मकान खाते नाम
१००) रोकड़ हस्ते खुद	२०) कपडा

रीति (१) जो रक़म किसी की अपने पास आती है उसको उसके नाम जमा करते हैं।

(२) जो रक़म अपने पास से कोई ले जाता है उसे उसके नाम लिखते हैं।

अभ्यासार्थ प्रश्न।

१—छोटनलाल ने ५) तुलसीराम को उधार दिये तो तुलसीराम इनको अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेगा?

२—भिखारीलाल ने शङ्करलाल को ५०) उधार दिये ३≈) सैकड़े माहवार पर और ८०) मक्खन को २) सैकड़े पर एक जोड़ी कड़े सोने के ५ तोले की एवज़ दिये; बैंङ्क से २००) निकाले, तो इसको भिखारीलाल अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे?

३—अमीरखाँ ने १००) अमानत लाला तिलोकचन्द के यहां जमा किये लालाजी ने उनको बैंङ्क में जमा कर दिया लालाजी से बाबू मुकुटबिहारी १२५) रुपया २) प्रति सैकड़ा मासिक पर उधार लेगये ५) रोकड़ मकान को भेजे तो इसको लालाजी अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे?

---

(५) नक़द और उधार माल का क्रय-विक्रय और नक़द रुपये के लेन-देन के मिश्रित अभ्यासार्थ प्रश्न।

(१) लाला दयाशङ्कर जी के यहां से पण्डित मनमोहनलालजी २ धोती जोड़ा दर ४) मलमल गज़ ५ दर ॥) लेगये लालाजी ने बैंङ्क से लाकर ४५०) २।) प्रतिशत मासिक पर गुलज़ारीलाल कारिन्दा को उधार दिये लाला हरनारायणजी ४०) नक़द १० सेर सूत दर ≶१। देगये तो इसको दयाशङ्करजी रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे?

जमा	नाम
१०॥) माल खाते जमा	४५०) गुलज़ारीलाल कारिन्दा के नाम
८) धोती जोड़ा २ दर ४)	४५०) रोकड़ २॥) प्रतिशत
२॥) मलमल गज़ ५ दर ॥)	मासिक हस्ते खुद
१०॥)	४५०)
४५०) बैङ्क खाते जमा	८) सूत खाते नाम
४५०) रोकड़	८) सूत ।) दर ‍)१।
४८) लाला हरनारायण के जमा	
४०) रोकड़	
८) सूत ।) दर ‍)१।	
४८)	

(२) लाला अमृतलाल के यहां से फ़कीरचन्द धोती जोड़ा १ दर २‍-) लट्ठा गज़ ४ दर ॥) और १०) रोकड़ी उधार लेगये और मुन्नीलाल के यहाँ से ४ थान मलमल दर ४०) और ४० धोती जोड़ा दर ३॥।≡) उधार आये लाला दुर्गादासजी ८०) जमा कर गये तो इसको अमृतलालजी के रोज़नामचे में लिखो ।

जमा	नाम
४‍-) माल खाते जमा	१४‍-) फ़क़ीरचन्द के नाम
२‍-) धोती जोड़ा १ दर २‍-)	२‍-) धोती जोड़ा १ दर २‍-)
२) लट्ठा गज़ ४ दर ॥)	२) लट्ठा गज़ ४ दर ॥)
	१०) रोकड़ हस्ते खुद
४‍-)	१४‍-)

३१७॥) मुन्नीलालजी के जमा
  १६०) मलमल थान ४
    दर ४०)
  १५७॥) धोती जोड़ा ४०
    दर ३॥।≡)

  ३१७॥)

३१७॥) कपड़ा खाते नाम
  १६०) मलमल थान ४
    दर ४०)
  १५७॥) धोती जोड़ा ४०
    दर ३॥।≡)

  ३१७॥)

८०) लाला दुर्गादास जी क जमा
  ८०) रोकड़ हस्ते खुद

(३) लाला शिवशङ्करजी के यहाँ से १ मन गेहूँ दर ४॥।=) और २० सेर चना दर ४) मन किशोरीलाल लेगये, लाला प्यारेलाल २ मन चना दर ४-) जौ मन २॥ऽ दर ३) उधार लेगये, लाला सोहन-लालजी को बैङ्क से लाकर २००), २) प्रतिशत मासिक पर उधार दिये प्रभूदयालजी ३०) रोकड़ और ऽ६। घी दर ऽ॥= जमा कर गये ५) मकान को भेजे गये तो इसको शिवशङ्करजी अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे।

जमा	नाम
२२॥) माल खाते जमा	१५॥=) ला० प्यारेलाल के नाम
८=) चना मन २ दर ४-)	८=) चना मन २ दर ४-)
७॥) जौ मन २॥ दर ३)	७॥) जौ मन २॥ दर ३)
४॥।=) गेहूँ मन १ दर ४॥।=)	
२) चना ॥ऽ दर ४)	१५॥=)
२२॥)	१०) माल खाते नाम
	१०) घी ऽ६। दर ऽ॥=

४०) प्रभूलालजी के जमा
३०) रोकड़ हस्ते खुद
१०) घी ५८। दर ۶॥=

४०)

२००) लाल सोहनलाल के नाम
२००) रोकड़ २) प्रतिशत मासिक हस्ते खुद

२००) बैङ्क खाते जमा
२००) रोकड़

५) मकान खाते नाम
५) रोकड़

---

(६) उधार माल के क्रय-विक्रय में थोड़े रुपये का लैन-दैन।

(अ) प्रथम रीति।

उदाहरण १—लाला जगमोहनलाल के यहाँ से पं० मुरारीलालजी ६ गज़ लट्ठा दर ॥), ५ गज़ मलमल दर ।≡) लेकर ३) नक़द दे गये तो जगमोहनलाल के रोज़नामचे में इसको किस तरह लिखोगे ?

जमा — नाम

५≡) माल खाते जमा
३) लट्ठा गज़ ६ दर ॥)
२≡) मलमल गज़ ५ दर ।≡)

५≡)

५≡) मुरारीलालजी के नाम
३) लट्ठा गज़ ६ दर ॥)
२≡) मलमल गज़ ५ दर ।≡)

५≡)

३) मुरारीलालजी के जमा
३) रोकड़ हस्ते खुद

उदाहरण २—लाला जगमोहनलाल ने लाला तोताराम के यहाँ से १०० धोती जोड़ा दर ३–), १० थान मलमल दर ३६) सिर्फ़ ५००) रोकड़ी देकर मँगाये, तो इसको जगमोहनलाल के रोज़नामचे में कैसे लिखोगे ?

जमा	नाम
६६६।) ला० तोताराम के जमा	६६६।) माल खाते नाम
३०६।) धोती जोड़ा १०० दर ३–)	३०६।) धोती जोड़ा १०० दर ३–)
३६०) मलमल थान १० दर ३६)	३६०) मलमल थान १० दर ३६)
६६६।)	६६६।)
	५००) लाला तोताराम के नाम
	५००) रोकड़ हस्ते खुद

उदाहरण ३—लाला श्यामलाल के यहाँ से मङ्गलसेन पुजारी १०) रोकड़ देकर २ मन गेहूँ दर ४।।।) और १।।ऽ चना दर ४) ले गये श्यामलालजी ने लाला दुर्गादास जी के यहाँ से ८०ऽ मन गेहूँ दर ४।।=) और २०ऽ चना दर ३।।।≡) केवल २५०) रोकड़ देकर मँगाये तो इस को लाला श्यामलाल जी अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
१०) मङ्गलसेन पुजारी के जमा	१५॥) मङ्गलसेन पुजारी के नाम
१०) रोकड़ हस्ते खुद	६॥) गेहूँ मन २ दर ४॥)
	६) चना मन १॥ दर ४)
	१५॥)
१५॥) माल खाते जमा	२५०) ला० दुर्गादासजी के नाम
६॥) गेहूँ मन २ दर ४॥)	२५०) रोकड़ हस्ते खुद
६) चना मन १॥ दर ४)	
१५॥)	२५०)
४४८॥) दुर्गादास जी के जमा	४४८॥) माल खाते नाम
३७०) गेहूँ मन ८० दर ४॥=)	३७०) गेहूँ मन ८० दर ४॥=)
७८॥) चना मन २० दर ३॥≡)	७८॥) चना मन २० दर ३॥≡)
४४८॥)	४४८॥)

रीति (१) जितने रुपये का माल कोई अपने यहाँ से उधार लेजाता है वह सब रुपया लेने वाले के नाम लिखा जाता है और वही सब रुपया माल खाते जमा करके माल का ब्यौरा खोल देते हैं।

(२) जितना रुपया माल लेने वाला अपने को दे जाता है वह सब उसके नाम जमा कर दिया जाता है।

(३) जितने रुपये का माल हम किसी के यहाँ से उधार लाते हैं वह सब रुपया उसके नाम जमा किया जाता है और वही सब रुपया माल खाते नाम लिखकर पेटे में ब्यौरा खोल देते है।

(४) जितना रुपया हम उस आदमी को जिसके यहाँ से माल लाये हैं, नक़द दे आते हैं, वह रुपया उसके नाम लिखा जाता है।

अभ्यासार्थ प्रश्न।

१—केवलकिशन ने लाला ख़्यालीराम के यहाँ से १५) रुपये का कपड़ा लेकर केवल १०) दिये तो लाला ख़्यालीराम के रोज़नामचे में किस तरह लिखोगे ?

२—सीताराम के यहाँ से सुन्दरलाल २) गेहूँ दर ४॥=) लेकर ५) दे गया, सीताराम ने गङ्गाराम के यहाँ से ४०) गेहूँ दर ४॥=) लेकर १५०) दिये तो इसको सीताराम अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

३—लाला बनवारीलाल, लाला मगनबिहारीलाल की दुकान से ६ रूमाल दर ।=) दो कङ्घा दर ।) सिर्फ़ २) नक़द देकर लेगये लाला मगनबिहारीलालजी ने लाला राधेलालजी के यहाँ से ५ दर्जन कङ्घा दर २॥) और दो दर्जन रूमाल दर ३) मँगाकर केवल १०) नक़द दिये तो इसको लाला बनवारीलाल व लाला मगनबिहारीलाल व लाला राधेलाल अपने अपने रोज़नामचे में किस किस तरह लिखेंगे ?

(ब) द्वितीय रीति।

उदाहरण १—प्रथम रीति वाला ही।

जमा	नाम
५≡) माल खाते जमा	२≡) मुरारीलालजी के नाम
३) लट्ठा गज़ ६ दर ॥)	३) लट्ठा गज़ ६ दर ॥)
२≡) मलमल गज़ ५ दर ।≡)	२≡) मलमल गज़ ५ दर ।≡
५≡)	५≡)
	३) नक़द देगये
	२≡) बाक़ी रहे

उदाहरण २—प्रथम रीति वाला ही।

जमा	नाम
१६६।) ला० तोताराम के जमा	६६६।) माल खाते नाम
३०६।) धोती जोड़ा १०० दर ३-)	३०६।) धोती जोड़ा १०० दर ३-)
३६०) मलमल थान १० दर ३६)	३६०) मलमल थान १० दर ३६)
६६६।)	६६६।)
५००) नक़द देदिये	
१६६।) बाक़ी रहे	

उदाहरण ३—प्रथम रीति वाला ही ।

जमा —————————— नाम ——————————

जमा	नाम
१५॥) माल खाते जमा	१५॥) मङ्गलसेन पुजारी के नाम
९॥) गेहूँ मन २ दर ४॥)	९॥) गेहूँ मन २ दर ४॥)
६) चना मन १॥ दर ४)	६) चना मन १॥ दर ४)
१५॥)	१५॥)
	१०) नक़द देगये
	५॥)
१९८।॥) दुर्गादासजी के जमा	४४८।॥) माल खाते नाम
३७०) गेहूँ मन ८० दर ४॥=)	३७०) गेहूँ मन ८० दर ४॥=)
७८।॥) चना मन २० दर ३।॥≡)	७८।॥) चना मन २० दर ३।॥≡)
४४८।॥)	४४८।॥)
२५०) नक़द देदिये	
१९८।॥) बाक़ी रहे	

रीति (१) जितने रुपये का माल कोई अपने यहाँ से उधार लेजाता है, उसमें से उतना रुपया जितना कि वह नक़द देगया था घटा कर बाक़ी रुपये को उसके नाम लिखते हैं, पर पेटे में ब्यौरा पूरा पूरा खोल देते हैं और वह सब का सब रुपया माल खाते जमा प्रथम रीति के अनुसार ही करते हैं।

(२) जितने रुपये का माल हम किसी के यहाँ से उधार लाते हैं उसमें से वह रुपया जो कि हम उसको नक़द दे आते हैं घटा कर बाक़ी रुपये को उसके नाम जमा कर देते हैं, पेटे में ब्यौरा प्रथम रीति के अनुसार ही पूरा पूरा खोलते है और वह सब का सब रुपया प्रथम रीति के अनुसार माल खाते नाम लिखते हैं।

अभ्यासार्थ प्रश्न।

१—प्रथम रीति वाला ही।

२—प्रथम रीति वाला ही।

३—प्रथम रीति वाला ही।

---

(७) नक़द और उधार माल का क्रय-विक्रय और नक़द रुपये का लेन-देन और उधार माल के क्रय-विक्रय में थोड़े रुपये के लेन-देन के मिश्रित अभ्यासार्थ प्रश्न।

(१) लाला जमुनादास के यहाँ से मटरू पटवारी ४ गज़ फ़ला-

लैन दर ॥) लट्ठा गज़ ६ दर ।≡)॥ लेकर ३) देगये और श्यामसुन्दर के यहाँ से ५० धोती जोड़ा दर ४) केवल १००) नक़द देकर मँगाये और तुलसीराम की दुकान से ४ थान फ़लालैन दर १६) मँगाये और गङ्गाराम जमुनादास की दुकान से ४ रूमाल दर ।) लेगया तो जमुनादास रोज़नामचे में कैसे लिखेगा ?

जमा	नाम
३) मटरूमल पटवारी के जमा ३) रोकड़ हस्ते खुद	४॥।-) मटरूमल पटवारी के नाम २) फ़लालैन गज़ ४ दर ॥) २॥।-) लट्ठा गज़ ६ दर ।≡)॥ ४॥।-)
५॥।-) माल खाते जमा १) रूमाल ४ दर ।) २) फ़लालैन गज़ ४ दर ॥) २॥।-) लट्ठा गज़ ६ दर ।≡)॥ ५॥।-)	१००) श्यामसुन्दर के नाम १००) रोकड़ हस्ते खुद
२००) श्यामसुन्दर के जमा २००) धोती जोड़ा ५० दर ४)	२६४) मालखाते नाम २००) धोती जोड़ा ५० दर ४) ६४) फ़लालैन थान ४ दर १६) २६४)

(२) लाला राधेश्याम की दुकान से मुर्लीधर कारिन्दा ।ऽ बूरा दर ऽ२॥ सेर और ऽ४ सेर बताशे दर ऽ२ सेर उधार लेगया और पोखीसिंह ५) नक़द देकर १ऽ बूरा दर ऽ२॥ लेगया राधेश्याम के यहाँ मक्खनलाल की दुकान से ४ बोरी बूरा दर २०) केवल ५०) नक़द देकर आया और प्यारेलाल की दुकान से ५ऽ बताशे दर १७) उधार आये तो राधेश्याम के रोज़नामचे में इसको कैसे लिखोगे ?

जमा	नाम
२२) माल खाते जमा	६) मुर्लीधर कारिन्दा के नाम
२०) बूरा १ऽ दर ऽ२॥	४) बूरा ।ऽ दर ऽ२॥
२) बताशे ऽ४ दर ऽ२	२) बताशे ऽ४ दर ऽ२
२२)	६)
५) पोखीसिंह के जमा	१६) पोखीसिंह के नाम
५) रोकड़ी हस्ते खुद	१६) बूरा १ऽ दर ऽ२॥
५)	६)
८०) मक्खनलाल के जमा	५०) मक्खनलाल के नाम
८०) बूरा ४ बोरी दर २०)	५०) रोकड़ी हस्ते खुद
८०)	५०)
८५) प्यारेलाल के जमा	१६५) माल खाते नाम
८५) बताशे ५ऽ दर १७)	८०) बूरा ४ बोरी दर २०)
	८५) बताशे ५ऽ दर १७)
८५)	१६५)

(३) मोतीलाल ने कुञ्जबिहारीलाल को ५०) कड़े जोड़ी एक तोला ३ के बदले में २) सैकड़ा मासिक पर उधार दिये प्यारेलाल ४०) नक़द जमा कर गया और नन्नूमल सोना ३ तोले दर २२॥) लेकर केवल ५०) रोकड़ी देगया मोतीलाल ने पन्नालाल की दुकान से केवल १००) देकर सोना तोले ५ दर २२) चाँदी ८० भर दर ॥-)॥। मँगाई तो इसको मोतीलाल अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेगा ?

जमा	नाम
४०) प्यारेलाल के जमा ४०) रोकड़ी हस्ते खुद ४०)	५०) कुञ्जबिहारीलाल के नाम ५०) बदले कड़े जोड़ी १ तोला ३ ब्याज २ सै० मा० ५०)
५०) नन्नूमल के जमा ५०) रोकड़ी हस्ते खुद ५०)	६७॥) नन्नूमल के नाम ६७॥) सोना तोले तीन दर २२॥) ६७॥)
६७॥) सोने खाते जमा ६७॥) सोना तोले ३ दर २२॥) ६७॥)	१००) पन्नालाल के नाम १००) रोकड़ी हस्ते खुद १००)
१५८॥।) पन्नालाल के जमा ११०) सोना तोले ५ दर २२) ४८॥।) चाँदी ८० भर दर ॥-)॥। १५८॥।)	१५८॥।) माल खाते नाम ११०) सोना तोले ५ दर २२) ४८॥।) चाँदी ८० भर दर ॥-)॥। १५८॥।)

जमा	नाम
३००) चैनसुखदास के जमा	३००) चैनसुखदास के नाम
३००) सरसों मन १०० दर ३)	३) आढ़त
	१) पल्लेदारी
	॥) रामलीला
३) आढ़त खाते जमा	२९५॥) रोकड़ी हस्ते खुद
३) सरसों मन १०० दर ३)	
	३००)

उदाहरण (२) उदाहरण नम्बर १ में चैनसुखदास अपने रोज़-नामचे में कैसे लिखेगा ?

जमा	नाम
३००) प्यारेलाल के जमा	३००) प्यारेलाल के नाम
२९५॥) रोकड़ी हस्ते खुद	३००) सरसों १००) दर ३)
३) आढ़त	
१) पल्लेदारी	
॥) रामलीला	४॥) ख़र्च खाते नाम
३००)	३) आढ़त
	१) पल्लेदारी
	॥) रामलीला
३००) माल खाते जमा	
२९५॥) रोकड़ी हस्ते खुद	४॥)
४॥) ख़र्च	
३००	

उदाहरण (३) प्यारेलाल आढ़तिया के यहाँ चेतराम की ५०ऽ कपास आई और उसने हरमुखदास पेचवाले को सब कपास दर १०) मन से बेचदी, जिसमें ५) आढ़त १॥) पल्लेदारी ॥) रामलीला के ख़र्च पड़े चेतराम अपना हिसाब चुकता कर लेगया हरमुखदास ने शाम को ४००) रोकड़ी भेजे तो प्यारेलाल इसे अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेगा ?

जमा	नाम
५००) चेतराम के जमा	५००) चेतराम के नाम
५००) कपास ५०ऽ दर १०)	४६३) रोकड़ी हस्ते खुद
	५) आढ़त
	१॥) पल्लेदारी
५) आढ़त खाते जमा	॥) रामलीला
५) कपास ५०ऽ दर १०)	
	५००)
५००) माल खाते जमा	५००) हरमुखदास पेचवाले के नाम
५००) कपास ५०ऽ दर १०)	५००) कपास ५०ऽ दर १०)
४००) हरमुखदासपेचवालेकेजमा	५००) माल खाते नाम
४००) रोकड़ी हस्ते खुद	५००) कपास ५०ऽ दर १०)

रीति (१) जितने रुपये का माल किसी आदमी का आढ़तिया के यहाँ बिकता है, उतना रुपया उस आदमी के नाम जमा कर दिया

जाता है और उतना ही रुपया उस आदमी के नाम लिखकर ख़र्च और नक़द देने का ब्यौरा खोल दिया जाता है, फिर जितना रुपया आढ़त का मिलता है, उसे आढ़त खाते जमा कर देते हैं।

(२) जितने रुपये में आढ़तिया के यहां किसी आदमी का माल बिकता है, वह सब उस आढ़तिये के नाम लिखा जाता है और उतना ही रुपया उस आढ़तिये के नाम जमा करके ख़र्च और नक़द का ब्यौरा खोल देते हैं और कुल ख़र्च, ख़र्च खाते नाम लिख देते हैं उतना ही माल खाते जमा करते हैं।

(३) रीति नम्बर १ के अनुसार लिखकर उतना ही रुपया माल खाते नाम और लिख देते है फिर उधार माल जिसमें कुछ रुपया वसूल हुआ हो देने की रीति पर पेच वाले का हिसाब लिखते हैं।

अभ्यासार्थ प्रश्न।

१—जानकीदास आढ़तिये के यहां मोहनलाल ८०) गेहूँ लाया वह ५) मन की दर से बिके जिसमें ४) आढ़त १) पल्लेदारी देना पड़ा तो जानकीदास इसको अपने रोज़नामचे में किस प्रकार दिखावेंगे?

२—प्रश्न नम्बर १ को मोहनलाल अपने रोज़नामचे में कैसे दिखावेंगे?

३—गोकुलप्रसाद आढ़तिये के यहां मनमोहनदास के यहाँ से ४००) गेहूँ आये, वह नैनसुखदास पेचवाले ने ४॥।=) की दर से ख़रीदे उसमें १६॥) आढ़त ॥) रामलीला ५) पल्लेदारी ख़र्च हुए मनमोहनदास दोपहर को हिसाब चुकता कर लेगये, शाम को पेचवाले ने १५००) रोकड़ी भिजवाये, तो गोकुलप्रसाद इसको किस प्रकार अपने रोज़नामचे में लिखेंगे?

(९) नक़द और उधार माल का क्रय-विक्रय और नक़द रुपये का लैन-दैन और उधार माल के क्रय-विक्रय में थोड़े रुपये के लैन-दैन और आढ़त के लैन-दैन के मिश्रित अभ्यासार्थ प्रश्न।

(१) परमसुख आढ़तिये के यहां से परमानन्द चपरासी ३ मन जौ दर ३) लेगया और उसके यहां प्रेमनरायन के ८०) चना दर ४) से बिके जिसमें ३।) आढ़त के मिले इसको परमसुख अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेगा ?

जमा	नाम
६) माल खाते जमा	३२०) प्रेमनरायन के नाम
६) जौ ३) दर ३)	३१६।।।) रोकड़ी हस्ते खुद
	३।) आढ़त
३२०) प्रेम नरायन के जमा	३२०)
३२०) चना ८०) दर ४)	
३।) आढ़त खाते जमा	
३।) चना ८०) दर ४)	

(१) श्यामलाल आढ़तिये के यहां मक्खनलाल की २०) रूई आई वह २५) मन से बिकी जिसमें ५) आढ़त और १) पल्लेदारी ख़र्च हुए श्यामलाल जी के यहां से तुलाराम १) कपास दर ८)

उधार लेगया तो इसको श्यामलाल अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
५००) मक्खनलाल के जमा	५००) मक्खनलाल के नाम
५००) रुई २०ऽ दर २५)	४९४) रोकड़ी हस्ते खुद
	५) आढ़त
	१) पल्लेदारी
५) आढ़त खाते जमा	
५) रुई २०ऽ दर २५)	५००)
८) माल खाते जमा	८) तुलाराम के नाम
८) कपास १ऽ दर ८)	८) कपास १ऽ दर ८)

(३) मोतीलाल आढ़तिये के यहां से नैनसुख चौकीदार ५०) उधार २) प्रतिशत मासिक पर लेगया मोतीलाल ५००) बैङ्क से निकाल लाया उसके यहाँ १००ऽ बेभड़ दर ३—) किशोरीलाल को आकर बिकी जिसमें ३) आढ़त मिले तो इसे मोतीलाल अपने रोज़-नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
५००) बैङ्क खाते जमा	५०) नैनसुख चौकीदार के नाम
५००) रोकड़	५०) रोकड़ी २) प्रतिशत मासिक हस्ते खुद

३०६।) किशोरीलाल के जमा

३०६।) बेझड़ १००) दर ३-) | ३०६।) किशोरीलाल के नाम

३) आढ़त

३०३।) रोकड़ हस्ते खुद

३) आढ़त खाते जमा

३) बेझड़ १००) दर ३-)

३०६।)

(४) तोताराम आढ़तिये के यहाँ परशादीलाल की ६०) मक्का आई, उसने हरगोविन्द पेचवाले को ३) मन की दर से बेच दी जिसमें २) आढ़त ॥) पल्लेदारी ख़र्च हुए और मटरूमल की १२०) सरसों आई जिसको उसने मोती तेली को ४) मन से बेचदी इसमें ५) आढ़त १) पल्लेदारी ख़र्च हुआ। परशादीलाल और मटरूमलजी अपना अपना हिसाब चुकता करके लम्बे हुए। शाम को हरगोविन्दजी ने १५०) रोकड़ी भिजवाये और मोती ने कल का वायदा किया बताओ इसको तोताराम अपने रोज़नामचे में किस तरह लिखेंगे।

जमा	नाम
१८०) परशादीलाल के जमा	१८०) परशादीलाल के नाम
१८०) मक्का ६०) दर ३)	२) आढ़त
	॥) पल्लेदारी
	१७७॥) रोकड़ी हस्ते खुद
७) आढ़त खाते जमा	
२) मक्का ६०) दर ३)	१८०)
५) सरसों १२०) दर ४)	
७)	

४८०) मटरूमलजी के जमा
४८०) सरसों १२०ऽ दर ४)

४८०) मटरूमलजी के नाम
४७४) रोकड़ हस्ते खुद
५) आढ़त
१) पल्लेदारी

४८०)

१५०) हरगोविन्द पेचवाले के जमा
१५०) रोकड़ हस्ते खुद

६६०) माल खाते जमा
१८०) मक्का ६०ऽ दर ३)
४८०) सरसों १२०ऽ दर ४)

६६०)

६६०) माल खाते नाम
१८०) मक्का ६०ऽ दर ३)
४८०) सरसों १२०ऽ दर ४)

६६०)

१८०) हरगोविन्द पेचवाले के नाम
१८०) मक्का ६०ऽ दर ३)

४८०) मोती तेली के नाम
४८०) सरसों १२०ऽ दर ४)

(५) कलियानदास आढ़तिये के यहाँ से ॥ऽ गेहूँ दर ४॥≈) मन से शङ्करलाल लेगये और प्रेमस्वरूप १।ऽ चना दर ४) उधार लेगये लक्ष्मीचन्द १॥ऽ जौ दर ३) लेकर ४) नक़द दे गये मूलचन्द ८०) नक़द लेगये आज ही उनके यहां प्यारेलाल की ८०ऽ कपास आई, उन्होंने उसे ६) की दर से कृष्णाकुमार पेचवाले को २५०) नक़द लेकर बेचदी, जिसमें ५) आढ़त मिले २५०) बङ्क से लाकर प्यारेलाल का हिसाब

चुकता कर दिया, तो कलियानदास इसको अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेगा ?

जमा	नाम
११॥≡) माल खाते जमा	५) प्रेमस्वरूप के नाम
२।≡) गेहूँ ॥ऽ दर ४॥≡)	५) चना १।ऽ दर ४)
५) चना १।ऽ दर ४)	
४॥) जौ १॥ऽ दर ३)	
११॥≡)	
४) लक्ष्मीचन्द के जमा	४॥) लक्ष्मीचन्द के नाम
४) रोकड़ हस्ते खुद	४॥) जौ १॥ऽ दर ३)
४८०) प्यारेलाल के जमा	८०) मूलचन्द के नाम
४८०) कपास ८०ऽ दर ६)	८०) रोकड़ हस्ते खुद
५) आढ़त खाते जमा	४८०) प्यारेलाल के नाम
५) कपास ८०ऽ दर ६)	४७५) रोकड़ हस्ते खुद
	५) आढ़त
२५०) कृष्णकुमार पेचवाले के जमा	४८०)
२५०) रोकड़ हस्ते खुद	

जमा	नाम
४८०) माल खाते जमा	४८०) माल खाते नाम
४८०) कपास ८०) दर ६)	४८०) कपास ८०) दर ६)
२५०) बङ्क खाते जमा	४८०) कृष्णाकुमार पेचवाले के नाम
२५०) रोकड़	४८०) कपास ८०) दर ६)

(१०) कमीशन कटौती और दलाली आदि का लैन-दैन।

उदाहरण (१) लाला हीरालालजी के यहाँ से परिडत घासीराम मुदर्रिस ने अङ्कगणित चक्रवर्ती ४ जिल्द दर १॥) हिन्दी-प्रवेशिका १० जिल्द दर ॥) लीं। लालाजी ने –) प्रति रुपया कमीशन दिया तो लालाजी इस लैन-दैन को अपने रोज़नामचे में किस भाँति लिखेंगे?

जमा	नाम
११) माल खाते जमा	॥≡) कमीशन खाते नाम
६) चक्रवर्ती जिल्द ४ दर १॥)	।=) चक्रवर्ती ६) दर –)
५) प्रवेशिका १० दर ॥)	।–) प्रवेशिका ५) दर –)
११)	॥≡)

उदाहरण (२) ला० सीताराम ने ला० हीरालाल से चक्रवर्ती ४० दर १॥) अपर प्राइमरी अर्थमेटिक ४० दर ॥) लेकर ५०) नक़द दिये। यदि –) प्रति रुपया कमीशन मिला हो, तो लाला सीताराम इस लैन-दैन को अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे?

जमा	नाम
८०) लाला हीरालाल के जमा	८०) माल खाते नाम
६०) चक्रवर्ती ४० दर १॥)	६०) चक्रवर्ती ४० दर १॥)
२०) प्राइमरी अ० ४० दर ॥)	२०) प्राइमरी अ० ४० दर ॥)
८०	८०
५) कमीशन खाते जमा	५५) लाला हीरालालजी के नाम
३॥) चक्रवर्ती ६०) दर -)	५०) रोकड़ हस्ते खुद
१।) प्राइमरी अ० २० दर -)	५) कमीशन ८०) दर -)
५)	५५)

उदाहरण (३) लाला दुर्गादासजी ने आज १०००) के नोट ।) सैकड़ा बट्टे पर लिये तो इसको लालाजी अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
२॥) कटौती खाते जमा	
२॥) नोट १०००) दर ।) सैकड़ा	

उदाहरण (४) लाला सुन्दरलाल के यहां से चतुर्भुज चपरासी ने ५००) के नोट ।) सैकड़ा का बट्टा देकर लिये, तो इसको चतुर्भुज चपरासी अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेगा ?

जमा	नाम
१०॥|)॥ माल खाते जमा	।≈)॥। कमीशन खाते नाम
१) क़लम मुट्ठा २ दर ॥)	।)॥ चक्रवर्ती ६ दर)॥।
॥।)॥ चाकू ५ दर =)॥	≈)। प्रवेशिका ३) दर)॥।
६) चक्रवर्ती ४ दर १॥)	
३) प्रवेशिका ६ दर ॥)	
१०॥|)॥	।≈)॥।

(२) लाला पन्नालाल के यहाँ से नैनसुख चपरासी ५ गिलास दर ≡)।, लालटैन २ दर २।) में उधार ली; इसमें लालाजी को –) फ़ी रुपया दौलतराम को दलाली देनी पड़ी, तो पन्नालाल इसको अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
५॥)। माल खाते जमा	५॥)। नैनसुख चपरासी के नाम
१)। गिलास ५ दर ≡)।	१)। गिलास ५ दर ≡)।
४॥) लालटैन २ दर २।)	४॥) लालटैन २ दर २।)
५॥)।	५॥)।
।–)॥ दौलतराम दलाल के जमा	।–)॥ दलाली खाते नाम
–) दलाली गिलास १)। दर –)	–) गिलास १)। दर –)
।)॥ दलाली लालटैन ४॥) दर –)	।)॥ लालटैन ४॥) दर –)
।–)॥	।–)॥

।-)॥ दौलतराम दलाल के नाम
-) दलाली गिलास १) । दर -)
।)॥ दलाली लालटैन ४॥) दर -)

।-)॥

(३) दौलतराम ने १०००) नोट =) सैकड़ा बट्टा लेकर बेचे, श्यामलाल को बङ्क से लाकर २०००) रुपया १॥) सैकड़ा माहवार पर उधार दिये, तो इसको दौलतराम के रोज़नामचे में लिखो।

जमा	नाम
१।) कटौती खाते जमा	२०००) ला० श्यामलाल के नाम
१।) नोट १०००) दर =)	२०००) रोकड़ा १॥) सै० मासिक हस्ते खुद
२०००) बङ्क खाते जमा	
२०००) रोकड़	

(४) तोताराम के यहाँ से रेवतीप्रसाद थान मलमल २ दर ३७॥) लेकर केवल ५०) नकद दे गये। यदि इसमें तोतारामजी को दौलतराम दलाल को ॥) रुपया दलाली देनी ठहरी हो और उस में इस समय केवल १) दिया हो, तो इसको तोताराम अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे?

जमा	नाम
७५) माल खाते जमा	७५) रेवतीप्रसाद के नाम
७५) मलमल थान २ दर ३७॥)	७५) मलमल थान २ दर ३७॥)

५०) रेवतीप्रसाद के जमा
 ५०) रोकड़ हस्ते खुद

२।-)॥ दलाली खाते नाम
 २।-)॥ थान मलमल दो
 ७५) दर)॥

२।-)॥ दौलतराम दलाल के जमा
 २।-)॥ दलाली थान मलमल
 दो ७५) दर)॥

१) दौलतराम दलाल के नाम
 १) रोकड़ हस्ते खुद

(५) लोकमन आढ़तिये के यहाँ रामरूप के ५०) गेहूँ आये वह ४॥।≡) मन की दर से तिलोकचन्द ने केवल २००) रोकड़ी देकर लिये रामरूप २।) आढ़त ॥) पल्लेदारी देकर हिसाब चुकता कर लेगया। यदि तिलोकचन्द से)। की रुपया कमीशन मिला हो, तो इसको लोकमन अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा ——————— नाम ———————

२४८॥।≈) रामरूप के जमा
 २४८॥।≈) गेहूँ मन ५०)
 दर ४॥।≡)

२४८॥।≈) रामरूप के नाम
 २।) आढ़त
 ॥) पल्लेदारी
 २४३॥।≈) रोकड़ हस्ते खुद
 २४८॥।≈)

२।) आढ़त खाते जमा
 २।) गेहूँ मन ५०) दर ४॥।≡)

२४८॥।≈) तिलोकचन्द के नाम
 २४८॥।) गेहूँ मन ५०)
 दर ४॥।≡)

२००) तिलोकचन्द के जमा
 २००) रोकड़ हस्ते खुद

२४६॥।=) मालखाते जमा	२४६॥।=) मालखाते नाम
२४६॥।=) गेहूँ ५०)	२४६॥।=) गेहूँ ५०)
दर ४॥।≡)	दर ४॥।≡)

३॥।-)॥। कमीशन खाते जमा
३॥।-)॥। गेहूँ ५०)
दर ४॥।≡)

(६) श्याममोहन के यहाँ से मारकीन गज़ ४ दर ।-) बहोरीलाल लेगया और देशराज ५ गज़ लट्ठा दर ॥) उधार लेगया। गोवर्धन ४ धोती जोड़ा दर ४) केवल १०) नक़द देकर लेगया। पूरनचन्द १४) नक़द जमा कर गया ४००) के नोट ।) सैकड़ा बट्टा लेकर बेचे, तो इस को श्याममोहन अपनी बही में कैसे लिखेंगे?

जमा	नाम
१६॥।) माल खाते जमा	२॥) देशराज के नाम
१।) मारकीन गज़ ४ दर ।-)	२॥) लट्ठा गज़ ५ दर ॥)
२॥) लट्ठा गज़ ५ दर ॥)	
१६) धोती जोड़ा ४ दर ४)	१६) गोवर्धन के नाम
१६॥।)	१६) धोती जोड़ा ४ दर ४)

१०) गोवर्धन के जमा
१०) रोकड़ हस्ते खुद

१४) पूरनचन्द के जमा
  १४) रोकड़ी हस्ते खुद

१) कटौती खाते जमा
  १) नोट ४००) दर ।) सैकड़ा

(१२) बदले का लेन-देन।

उदा० (१) मोतीलाल के यहाँ से मुकुटबिहारी कलसा १ सेर पाँच, बराबर की पीतल और ॥=) सेर की बदलाई देकर लेगया कलसा १ सेर ४ खुशालीराम दूनी पीतल देकर बदल लेगया; तो मोतीलाल इसको अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेगा ?

जमा	नाम
११।) मालखाते जमा	८=) मालखाते नाम
६।) कलसा एक ऽ५ दर १।)	८=) पीतल ।ऽ३ दर ॥=)
५) कलसा एक ऽ४ दर १।)	
११।)	

उदा० (२) गनेशीलाल के यहाँ से गोविन्दी बिछुआ जोड़ी १ तोल आधपाव बराबर का माल और =)॥ बदलाई देकर लाई और हीरा बिछुआ जोड़ी एक आधपाव दूना माल देकर लाई, तो इसको गनेशीलाल अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

नाम
जमा

|||=) मालखाते जमा
|||=) बिछुआ जोड़ी २ तोल ।ऽ
दर २॥) सेर

|≡)॥ मालखाते नाम
|≡)॥ काँसा तोल ऽ।=
दर १।) सेर

उदा० (३) लाला सोहनलाल ने लाला मोहनलाल की दुकान से धोती जोड़ा २०×२० नग ५ दर २-) के मँगाये और मोहनलाल ने सोहनलाल की दुकान से ३ थान डोरिया देसी गज़ १२ दर ३) के मँगाये, तो लाला सोहनलाल इस बदले के लैन-दैन को अपने रोज़-नामचे में कैसे लिखेंगे ?

नाम
जमा

१०।-) मोहनलाल के जमा
१०।-) धोतीजोड़ा ५ दर २-)

१०।-) मालखाते नाम
१०।-) धोती जोड़ा ५ दर २-)

६) मालखाते जमा
६) थान डोरिया ३ दर ३)

६) मोहनलाल के नाम
६) थान डोरिया ३ दर ३)

रीति (१) जितने रुपये का माल, माल से या क़ीमत से नक़द बदल कर ले जाता है, उतना रुपया मालखाते जमा लिखते हैं और उसके बदले में जितने का माल दे जाता है, उसे मालखाते नाम लिखते हैं ?

(२) जब माल के बदले में पूरी पूरी क़ीमत का माल नहीं आता, तो उधार माल लेने-देने के ढंग पर जितने का माल दिया-लिया जाता है, लिखा जाता है।

अभ्यासार्थ प्रश्न।

१—टोड़ीराम ने लोटा २ तोल ‌‌‌‌‌‌‌‌‌‌)२ दर १।) श्यामलाल के हाथ बेचे और लोटा ४ तोल)३॥ दूनी पीतल लेकर बदले, तो टोड़ीराम के रोज़नामचे में इसे लिखो।

२—ग़रीबदास लाला छोटेलाल के यहां से तेल सरसों)॥= के बदले में चोकर)५ देकर लाया। यदि तेल)२॥ फ़ी रुपया हो, तो छोटेलाल इसको अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेगा?

३—लाला साधूराम ने लाला केशवदास की दुकान से ५ थान मलमल दर ३६) मँगाकर उनके यहां ४० धोती जोड़ा दर ४) भेजे, तो इसको दोनों दुकानदारों में से प्रत्येक अपने अपने यहां के रोज़-नामचों में कैसे कैसे लिखेंगे?

---

(१३) नक़द और उधार माल का क्रय-विक्रय व उधार रुपये का लैन-दैन व उधार माल के क्रय-विक्रय में थोड़ रुपये का लैन-दैन व आढ़त व कमीशन, कटौती, दलाली का लैन-दैन व बदले के मिश्रित अभ्यासार्थ प्रश्न।

(१) गिरधारीलाल के यहां से लाला तोताराम २ बटलोई तोल)५ दर १।) लेगये और शङ्करलाल १ बटलोई तोल)३ दूनी पीतल देकर बदल ले गये, तो इसे गिरधारीलाल के रोज़नामचे में कैसे लिखोगे?

जमा	नाम
१०) माल खाते जमा	३॥।) माल खाते नाम
६।) बटलोई दो ऽ५ दर १।)	३॥।) पीतल ऽ६ दर ॥=)
३॥।) बटलोई एक ऽ३ दर १।)	
१०)	

(२) लाला अमीरचन्द ने लाला फ़क़ीरचन्द के यहाँ से २ थान डोरिया दर ३) मँगाया। फ़क़ीरचन्द ने अमीरचन्द के यहाँ से २ धोती जोड़ा दर ४) मँगाये तो इसको ला० फ़कीरचन्द अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
८) अमीरचन्द के जमा	८) माल खाते नाम
८) धोती जोड़ा दो दर ४)	८) धोती जोड़ा दो दर ४)
६) माल खाते जमा	६) अमीरचन्द के नाम
६) थान डोरिया २ दर ३)	६) थान डोरिया २ दर ३)

(३) गङ्गाराम के यहाँ जमुनादास २५) नक़द जमा कर गया और सरयूनाथ लोटा ५ तोल ऽ५ बराबर पीतल और ॥) सेर की बदलाई देकर लेगया, तो इसको गङ्गाराम के रोज़नामचे में कैसे लिखोगे ?

जमा	नाम
२५) जमुनादास के जमा	२॥) माल खाते नाम
२५) रोकड़ हस्ते खुद	२॥) पीतल ऽ५ दर ॥)

५) माल खाते जमा
  ५) लोटा पाँच ऽ५ दर १) सेर

(४) लाला तुलाराम के यहाँ से कश्मीरीलाल ने २ परात तोल ऽ५ बराबर की पीतल और ॥=) सेर की बदलाई से ठहराई जिसमें इन्होंने बराबर की पीतल और २) नक़द दिये, तो इसे तुलाराम अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे?

जमा	नाम
६।) माल खाते जमा ६।) परात दो ऽ५ दर १।)	६।) कश्मीरीलाल के नाम ६।) परात दो ऽ५ दर १।)
५=) कश्मीरीलाल के जमा ३=) पीतल ऽ५ दर ॥=) २) रोकड़ हस्ते खुद ५=)	३=) माल खाते नाम ३=) पीतल ऽ५ दर ॥=)

(५) खुशालीराम आढ़तिये के यहां मूलचन्द की ५०ऽ कपास आई उसको उसने लाला गौरीशङ्कर पेचवाले के हाथ ५) मन की दर से वेची। इसमें १) चुङ्गी २॥) आढ़त ॥) पल्लेदारी ख़र्च हुए। मूलचन्द हिसाब चुकता कर लेगये लाला गौरीशङ्कर ने खुशालीराम को १२॥ऽ रूई दर २०) की दी तो इसको खुशालीराम के रोज़नामचे में कैसे लिखोगे?

जमा	नाम
२५०) मूलचन्द के जमा २५०) कपास ५०ऽ दर ५) २५०) गौरीशङ्कर के जमा २५०) रुई १२॥ऽ दर २०)	२५०) मूलचन्द के नाम २४६) रोकड़ हस्ते खुद १) चुङ्गी २॥) आढ़त ॥) पल्लेदारी २५०)
२॥) आढ़त खाते जमा २॥) कपास २५०) दर १) सैंकड़ा	२५०) माल खाते नाम २५०) कपास ५०ऽ दर ५)
२५०) माल खाते जमा २५०) कपास ५०ऽ दर ५)	२५०) ला० गौरीशङ्कर के नाम २५०) कपास ५०ऽ दर ५)
	२५०) माल खाते नाम २५०) रुई १२॥ऽ दर २०)

(६) नाहरसिंह लाला गजाधरलाल के यहाँ से ८००) के नोट ।) सैंकड़ा वट्टे पर लेगये और तोपसिंह परात तीन तोल ऽ८ बराबर का माल और ॥≈) सेर की बदलाई देकर लेगये, तो लालाजी के रोज़नामचे में इसको किस भांति लिखोगे ?

जमा	नाम
२) कटौती खाते जमा	५) माल खाते नाम
२) नोट ८००) दर ।) सैंकड़ा	५) पीतल ऽ८ दर ॥≈)
१०) माल खाते जमा	
१०) परात तीन ऽ८ सेर दर १।)	

(७) लाला दुर्गादास ने बैङ्क से निकाल कर ५००) लाला मनोहरलाल को २) सैंकड़ा मासिक पर उधार दिये । २ कटोरा ऽ१ दर १।) को बेचे १ थाली कांसे की ऽ॥। दर २॥) सेर वंशीधर को उधार बेची, शौक़ीराम के यहां से ५० कलसा तोल ५ऽ दर १) सेर केवल १०० रोकड़ी देकर लाये, जिसमें ।) रुपया, दलाली देनी पड़ी रोशनसिंह ४ कटोरा ऽ२ दूना माल देकर बदल लेगया, तो इसको दुर्गादास के रोज़नामचे में कैसे लिखोगे ?

जमा	नाम
५००) बङ्क खाते जमा	५००) मनोहरलाल के नाम
५००) रोकड़ हस्ते खुद	५००) रोकड़ २) सै० मा० हस्ते खुद

५॥=) माल खाते जमा
१।) कटोरा दो ऽ१ दर १)
१॥=) थाली काँसा एक ऽ॥।
दर २॥)
२॥) कटोरा चार ऽ२ दर १।)

५॥=)

१॥=) बंशीधर के नाम
१॥=) थाली काँसा एक
ऽ॥। दर २॥)

२०२॥) माल खाते नाम
२००) कलसा पचास ५ऽ
दर १) सेर
२॥) पीतल ऽ४ दर ॥=)

२०२॥)

२००) शौक़ीराम के जमा
२००) कलसा पचास ५ऽ
दर १) सेर

१००) शौक़ीराम के नाम
१००) रोकड़ हस्ते खुद

३=) दलाली खाते नाम
३=) कलसा २०० दर) । रु०

(१४) ब्याज का लैनदैन।

उदाहरण (१) लाला फूलचन्दजी से आज ६माह हुए किशोरीलाल २००) २) प्रति सैकड़ा मासिक पर उधार लेगये थे आज ब्याज समेत २२४) देगये तो इसको फूलचन्दजी के रोज़नामचे में किस तरह लिखोगे?

जमा	नाम
२२४) किशोरीलाल के जमा	२४) किशोरीलाल के नाम
२००) मूल	२४) ब्याज २००) छः माह
२४) ब्याज ६ माह	दर २) प्रति सैं० मा०
२) प्रति सैं० मा०	
२२४)	
२४) ब्याज खाते जमा	
२४) ब्याज २००) छः माह	
२) सैं० मा०	

उदा० (२) मोरमुकुट लाला दौलतराम से १५०) २) प्रति सैकड़ा मासिक पर उधार लेगया था, आज ३) एक माह की ब्याज दे गया तो इसको लाला दौलतराम अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
३) मोरमुकुट के जमा	३) मोरमुकुट के नाम
३) ब्याज १५०) एक माह	३) ब्याज १ माह १५०) रु०
२) प्रति सैं० मा०	२) प्रति सैं० मा०
३) ब्याज खाते जमा	
३) ब्याज १५०) एक मा०	
२) प्रति सैं० मा०	

उदा० (३) लाला केदारनाथ को आज बैङ्क से छः माह की ब्याज १५) मिली उनको लाला पन्नालाल को १) सैकड़ा से १ माह की १५) ब्याज देनी पड़ी, तो इसको लाला केदारनाथ अपने रोज़नामचे में किस भाँति लिखेंगे ?

जमा	नाम
१५) बैङ्क खाते जमा १५) ब्याज ६ माह १०००) दर ।) सैकड़ा	१५) बैङ्क खाते नाम १५) ब्याज ६ माह १०००) रु० दर ।) सैकड़ा
१५) ब्याज खाते जमा १५) ब्याज बैङ्क १०००) ६ माह ।) सै०	१५) पन्नालाल के नाम १५) ब्याज १ माह १५००) रु० १) सैकड़ा
१५) पन्नालाल के जमा १५) ब्याज १५००) एक माह १) सै०	१५) ब्याज खाते नाम १५) ब्याज १ माह १५००) दर १) सै०

रीति (१) जितना रुपया ब्याज का किसी से मिलता है, वह उसके नाम जमा कर दिया जाता है और वही रुपया उसी के नाम लिख दिया जाता है और उतना ही रुपया ब्याज खाते जमा कर दिया जाता है।

(२) जितना रुपया ब्याज का किसी को दिया जाता है वह सब रुपया उसके नाम लिख दिया जाता है और उतना ही रुपया उसके नाम जमा किया जाता है और वही रुपया ब्याज खाते नाम लिख दिया जाता है।

अभ्यासार्थ प्रश्न।

१—मोहनलाल को आज बैङ्क से १५) ब्याज के ६ माह के मिले श्यामलाल से १) सैकड़ा के हिसाब से ६ माह के २४) ब्याज के मिले तो मोहनलाल इसको अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

२—चोखेलाल जी से ६ माह हुए परमानन्द २५०) २) सैकड़ा से उधार लेगये थे, आज ब्याज समेत २८०) देगये तो इसको चोखेलालजी अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

३—बाबूलाल लाला सुखराम को आज ५०) ब्याज के १।) सैकड़े से ४००) की दे आया, तो बाबूलाल इसको अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

---

(१५) पिछली पढ़ी हुई सब रीतियों के मिश्रित अभ्यासार्थ प्रश्न।

(१) लाला मोतीलाल ने आज ५ गज़ मलमल दर ||) और धोती जोड़ा दो दर ४) बेचे तोताराम से १०) ब्याज २ माह दर २) सैकड़ा वसूल हुई, तो इसको लाला मोतीलाल अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
१०||) माल खाते जमा	१०) तोताराम के नाम
२||) मलमल गज़ ५ दर ||)	१०) ब्याज २५०) दो माह दर २)
८) धोती जोड़ा २ दर ४)	
१०||)	

१०) तोताराम के जमा
१०) ब्याज २५०) दो माह
दर २)

१०) ब्याज खाते जमा
१०) ब्याज २५०) दो माह
दर २)

(२) लाला हीरालाल जी से लाला पन्नालाल ३ थान डोरिया दर ३) उधार लेगये आज अलीबख़्श से ८) ब्याज के २००) के दो माह के मिले तो इसको लाला हीरालाल जी अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
९) माल खाते जमा ९) डोरिया थान ३ दर ३)	९) पन्नालाल के नाम ९) डोरिया थान ३ दर ३)
८) ब्याज खाते जमा ८) ब्याज २००) दो माह दर २)	८) अलीबख़्श के नाम ८) ब्याज २००) दो माह दर २)

८) अलीबख़्श के जमा
८) ब्याज २००) दो माह दर २)

(३) लाला नौबतराम के यहाँ केवल १००) रोकड़ देकर मुरारीलाल के यहां से थान मलमल ४ दर ४०) आये और १०) लाला सदासुखराय को ब्याज के १) सैकड़ा से १ माह के देने पड़े, तो इसको नौबतराम के रोज़नामचे में कैसे लिखोगे ?

जमा	नाम
१६०) मुरारीलाल के जमा १६०) थान मलमल ४ दर ४०)	१६०) माल खाते नाम १६०) थान मलमल ४ दर ४०)
१०) सदासुखराय के जमा १०) ब्याज १०००) एक माह दर १)	१००) मुरारीलाल के नाम १००) रोकड़ हस्ते खुद
	१०) सदासुखराय के नाम १०) ब्याज १०००) १ माह दर १)
	१०) ब्याज खाते नाम १०) ब्याज १०००) १ माह दर १)

(४) लाला गिरधारीलाल से आज मियाँ ख़ाँ १५०) नक़द २) सैकड़ा माहवार पर उधार लेगया मौलाबख़्श जिसे, ३ माह हुए २) सैकड़ा से २००) लेगया था, आज २१२) ब्याज समेत देगया बताओ इसको लाला जी अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
२१२) मौलाबख़्श के जमा	१५०) मियाँख़ाँ के नाम
२००) मूल	१५०) रोकड़ हस्ते ख़ुद दर २)
१२) ब्याज ३ माह दर २)	
२१२)	
१२) ब्याज खाते जमा	१२) मौलाबख़्श के नाम
१२) ब्याज ३ माह २००) दर २)	१२) ब्याज २००) ३ माह दर २)

(५) परशादीलाल आढ़तिये ने बुलाकीदास के ४०ऽ गेहूँ दर ४॥।) से बेचे जिसमें २) आढ़त ॥) पल्लेदारी के ख़र्च हुए बुलाकीदास को ३) छः माह की ब्याज बैङ्क से मिली, तो इसको बुलाकीदास के रोज़नामचे में लिखो ।

जमा	नाम
१९०) परशादीलाल के जमा १८७॥) रोकड़ हस्ते खुद २) आढ़त ॥) पल्लेदारी —— १९०)	१९०) परशादीलाल के नाम १९०) गेहूँ ४०ऽ दर ४॥।) ——
३) बैङ्क खाते जमा ३) ब्याज २००) छः माह दर ।) ——	२॥) गेहूँ ख़र्च खाते नाम २) आढ़त ॥) पल्लदारी —— २॥)
३) ब्याज खाते जमा ३) ब्याज २००) छः माह दर ।) ——	३) बैङ्क खाते नाम ३) ब्याज २००) छः माह दर ।) ——
१९०) गेहूँ खाते जमा १८७॥) रोकड़ २॥) ख़र्च —— १९०)	

(६) लाला रामदास ने ७५०) के नोट ।) सैकड़ा बट्टा लेकर बेचे और ४००) में कड़े सोने के जोड़ी १, तोल २५ तोले १।) सैकड़ा माहवार पर सियाराम के गिरवी ४ माह हुए रक्खे थे, आज सियाराम मूल ब्याज देकर चीज़ लेगये तो इसे रामदास अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
१॥।=) कटौती खाते जमा १॥।=) नोट ७५०) दर ।) सै०	२०) सियाराम के नाम २०) ब्याज ४००) चार माह दर१।)
४२०) सियाराम के जमा ४००) मूल २०) ब्याज ४००) चार माह दर १।) ४२०)	
२०) ब्याज खाते जमा २०) ब्याज ४००) चार माह दर १।)	

(७) मोहनलाल के यहां २ कलसा ८६ बराबर की पीतल और ॥≈) सेर बदलाई देकर बिके, ५) तुलाराम से २॥) सैंकड़ा से १ माह का ब्याज मिला तो मोहनलाल इसको अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेगा ?

जमा	नाम
७॥) माल खाते जमा	३॥।) माल खाते नाम
७॥) कलसा दो ८६ दर १)	३॥।) पीतल ८६ दर ॥≈)
५) मोहनलाल के जमा	५) मोहनलाल के नाम
५) ब्याज २००) माह १ दर २॥)	५) ब्याज २००) एक माह दर २॥)
५) ब्याज खाते जमा	
५) ब्याज २००) एक माह दर २॥)	

(८) प्यारेलाल ने २ धोती जोड़ा दर ४) बेचे, करीमबख़्श १० गज़ मलमल दर ॥) उधार लेगया, छोटेलाल १०) नक़द देकर २ थान डोरिया दर ३॥) और ८ गज़ लट्ठा दर ॥) लेगया, ५००) के नोट ।) सैकड़ा बट्टा लेकर बेचे, बङ्क से ६ माह का ब्याज ६) मिला, २००) बङ्क में जमा किये; लाला हरदयाल ने ४ धोती जोड़ा दर ४) मँगाकर २० गज़ लट्ठा दर ।≡)॥ भेजा, ४०८ कपास शेरसिंह आढ़तिये के यहां ५) मन से विक आई जिसमें २) आढ़त ॥) किराया ॥) पल्लेदारी देनी पड़ी; तो इसको लाला प्यारेलालजी अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे?

जमा	नाम
४०) माल खाते जमा	५) करीमबख़्श के नाम
२४) धोती जोड़ा ६ दर ४)	५) मलमल गज़ १० दर ॥)
५) मलमल गज़ १० दर ॥)	
७) डोरिया थान २ दर ३॥)	११) छोटेलाल के नाम
४) लट्ठा गज़ ८ दर ॥)	७) डोरिया थान २ दर ३॥)
	४) लट्ठा गज़ ८ दर ॥)
४०)	११)
१०) छोटेलाल के जमा	१६) लाला हरदयाल के नाम
१०) रोकड़ हस्ते खुद	१६) धोती जोड़ा ४ दर ४)
१।) कटौती खाते जमा	६) बङ्क खाते नाम
१।) नोट ५००) दर ।) सै०	६) ब्याज ४००) छः माह दर ।)

६) बङ्क खाते जमा
    ६) ब्याज ४००) छः माह दर ।)

२००) बङ्क खाते नाम
    २००) रोकड़ हस्ते खुद

६) ब्याज खाते जमा
    ६) ब्याज ४००) छः माह दर ।)

६।=) माल खाते नाम
    ६।=) लट्ठा गज़ २० दर ।≡)॥

६।=) लाला हरदयाल के जमा
    ६।=) लट्ठा गज़ २० दर ।≡)॥

२००) शेरसिंह आढ़तिये के नाम
    २००) कपास ४०) दर ५)

२००) शेरसिंह आढ़तिये के जमा
    २) आढ़त
    ॥) किराया
    ॥) पल्लेदारी
    १९७) रोकड़ हस्ते खुद

    २००)

३) कपास ख़र्च खाते नाम
    २) आढ़त
    ॥) किराया
    ॥) पल्लेदारी

    ३)

२००) कपास खाते जमा
    १९७) रोकड़
    ३) ख़र्च

    २००)

(१६) किराया, वेतन आदि का लैन-दैन।

उदा० (१) लाला मोहनलाल ने आज लाला दुलीचन्द को ५) किराया दुकान दिया तो उसको लाला मोहनलाल अपने रोज़-नामचे में कैसे लिखेंगे?

जमा	नाम
५) लाला दुलीचन्द के जमा ५) किराया दुकान एक माह दर ५)	५) लाला दुलीचन्द के नाम ५) किराया दुकान एक माह दर ५)
	५) किराया खाते नाम ५) किराया दुकान एक माह दर ५)

उदा० (२) प्रथम उदाहरण के प्रश्न को लाला दुलीचन्द अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे?

जमा	नाम
५) लाला मोहनलाल के जमा ५) किराया दुकान १ माह दर ५)	५) लाला मोहनलाल के नाम ५) किराया दुकान फुलाँ १ माह दर ५)
५) किराया खाते जमा ५) किराया दुकान फुलाँ १ माह दर ५)	

उदा० (३) लाला नाथूराम ने तोताराम कहार को माह मई सन् १६२७ ई० की तनख़्वाह ७) दी तो इसको लाला नाथूराम अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
७) तोताराम कहार के जमा ७) तनख़्वाह मई सन् २७ ई०	७) तोताराम के नाम ७) तनख़्वाह मई सन् २७ ई०
	७) वेतन खाते नाम ७) तनख़्वाह मई सन् २७ ई०

उदा० (४) उदाहरण ३ के प्रश्न को तोताराम कहार अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेगा ?

जमा	नाम
७) लाला नाथूराम के जमा ७) तनख़्वाह मई सन् २७ ई०	७) लाला नाथूराम के नाम ७) तनख़्वाह मई सन् २७ ई०
७) तनख़्वाह खाते जमा ७) तनख़्वाह मई सन् २७ ई०	

रीति (१) जितना रुपया किसी से किराया या वेतन का मिलता है वह सब उसी के नाम जमा कर दिया जाता है और वही रुपया उस के नाम लिख दिया जाता है; फिर वही रुपया किराया या वेतन जिस मद से मिलता है उसी के खाते जमा कर दिया जाता है (जैसे कि ब्याज में)।

(२) जितना रुपया किसी को किराया या वेतन का देते हैं वह सब रुपया उसी के नाम जमा कर दिया जाता है और वही रुपया उसी के नाम लिख दिया जाता है; फिर व्याज की तरह वही रुपया किराया या वेतन जिस मद का दिया जाता है उसी मद के खाते नाम लिख दिया जाता है।

नोट—किराया या वेतन पेशगी न हो, नहीं तो नक़द रुपये के लेन-देन की सूरत हो जायगी।

अभ्यासार्थ प्रश्न।

१—लाला मटरूमल ने अपने मुलाज़िम हरीमोहन को पिछले माह की तनख़्वाह १०) दी तो इसे लालाजी और हरीमोहन में से प्रत्येक अपने-अपने रोज़नामचों में किस-किस तरह लिखेंगे ?

२—आज हरसुख बज़ाज़ ने लाला पीतमलाल को पिछले माह का किराया ६) दिया, तो दोनों महाशयों में से प्रत्येक अपने-अपने रोज़नामचे में किस भाँति लिखेंगे ?

३—लाला गोकुलचन्द ने आज सेठ फूलचन्द को १५) पिछले माह का दुकान का किराया दिया और सेठजी ने अपने कहार को ५) पिछले माह का वेतन दिया तो इसे सेठजी अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

(१७) पिछली रीतियों के मिश्रित अभ्यासार्थ प्रश्न।

(१) राधेमोहन की दुकान से गोपालनरायन ने २०ऽ गेहूँ दर ५) मोल लिये, यदि लाला गोपालनरायन ने ५) पोखी कहार के पिछले माह की तनख़्वाह भी दी हो तो इसको गोपालनरायन अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे?

जमा	नाम
५) पोखी कहार के जमा ५) तनख़्वाह मई सन् २७ ई०	१००) माल खाते नाम १००) गेहूँ २०ऽ दर ५)
	५) पोखी कहार के नाम ५) तनख़्वाह मई सन् २७ ई०
	५) तनख़्वाह खाते नाम ५) तनख़्वाह मई सन् २७ ई०

(२) हरनारायण बज़ाज़ के यहां से ५ गज़ लट्ठा दर ॥) मोतीलाल उधार लेगये; यदि बज़ाज़ को ५) पिछले माह का शङ्करलाल से मकान का किराया वसूल हुआ हो तो इसको हरनारायण जी अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
२॥) माल खाते जमा २॥) लट्ठा गज़ ५ दर ॥)	२॥) मोतीलाल के नाम २॥) लट्ठा गज़ ५ दर ॥)
५) शङ्करलाल के जमा ५) किराया मकान मई सन् २७ ई०	५) शङ्करलाल के नाम ५) किराया मकान मई सन् २७ ई०
५) किराया खाते जमा ५) किराया मकान मई सन् २७ ई०	

(३) लाला जगमोहनलाल के यहां से सोना तोले २, दर २२॥) लेकर मथुरादास २५) नक़द देगये; यदि बोर्ड से मथुरादासजी की तनख़्वाह ४५) मिली हो, तो इसको मथुरादासजी अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
४५) लाला जगमोहनलाल के जमा ४५) सोना तोले २ दर २२॥)	४५) माल खाते नाम ४५) सोना तोले २ दर २२॥)
४५) बोर्ड खाते जमा ४५) तनख़्वाह मई सन् २७	२५) ला० जगमोहनलाल के नाम २५) रोकड़ हस्ते खुद
४५) तनख़्वाह खाते जमा ४५) तनख़्वाह मई सन् २७	४५) बोर्ड खाते नाम ४५) तनख़्वाह मई सन २७

(४) लाला परमसुखदास के यहाँ से खुदाबख़्श ने २) प्रति सैकड़ा मासिक पर २५) रोकड़ी लिये; यदि ५) दुकान का किराया दिया हो तो इसे लाला परमसुखदास अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
५) जानकीदास के जमा ५) किराया दुकान मई सन् २७ ई० (नाम कल्पित)	२५) खुदाबख़्श के नाम २५) रोकड़ दर २) सैकड़ा
	५) जानकीदास के नाम ५) किराया दुकान मई सन्२७ई० (नाम कल्पित)
	५) किराया खाते नाम ५) किराया दुकान मई सन्२७ई०

(५) चक्खनलालजी आढ़तिये के यहां जवाहरलाल के ८०ऽ गेहूँ आये वे उसने ४॥।=) मन की दर से बेच दिये जिसमें ४) आढ़त १) पल्लेदारी लगे, यदि अपने नौकर शौकी कहार को ६) तनख़्वाह मई २७ ई० को दी हो तो चक्खनलाल अपने रोज़नामचे में इस को कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
३६०) जवाहरलाल के जमा	३६०) जवाहरलाल के नाम
३६०) गेहूँ ८०ऽ दर ४॥।=)	३८५) रोकड़ हस्ते खुद
	४) आढ़त
	१) पल्लेदारी
६) शौकी कहार के जमा	
६) तनख़्वाह मई सन् २७ ई०	३६०)
४) आढ़त खाते जमा	६) शौकी कहार के नाम
४) गेहूँ ८०ऽ दर ४॥।=)	६) तनख़्वाह मई सन् २७ ई०
	६) तनख़्वाह खाते नाम
	६) तनख़्वाह मई सन् २७ ई०

(६) ला० हीरालालजी ने सीताराम को १० अङ्कगणित चक्रवर्ती दर १॥), प्रवेशिका २० दर ॥) उधार दीं और उन पर -) प्रति रुपया कमीशन दिया और मोहन कहार को ७) तनख़्वाह मई सन् २७ ई० को दी तो इसे लाला हीरालालजी अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा ——————————————नाम——————————————

जमा	नाम
१॥-) लाला सीताराम के जमा	२५) सीताराम के नाम
॥।≡) चक्रवर्ती १५) दर -)	१५) चक्रवर्ती १० दर १॥)
॥=) प्रवेशिका १०) दर -)	१०) प्रवेशिका २० दर ॥)
१॥-)	२५)
७) मोहन कहार के जमा	१॥-) कमीशन खाते नाम
७) तनख़्वाह मई सन् २७ ई०	॥।≡) चक्रवर्ती १५) दर -)
	॥=) प्रवेशिका १०) दर -)
	१॥-)
	७) मोहन कहार के नाम
	७) तनख़्वाह मई सन् २७ ई०
	७) तनख़्वाह खाते नाम
	७) तनख़्वाह मई सन् २७ ई०

(७) लाला तुलाराम के यहाँ से २ परात ।८ दर १॥) सेर टूनी पीतल देकर बदलीं, यदि लालाजी को ५) किराया मकान वसूल हुए हों तो इसको तुलाराम अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
६) माल खाते जमा	६) माल खाते नाम
६) परात दो ।८ दर १॥)	६) पीतल ।१२ दर ॥)
५) हरीशङ्कर के जमा	५) हरीशङ्कर के नाम
५) किराया मकान मई सन् २७	५) किराया मकान मई सन २७
(नाम कल्पित)	(नाम कल्पित)
५) किराया खाते जमा	
५) रोकड़ मकान मई सन् २७ ई०	

(८) लाला ख्यालीराम को बङ्क से ६ माह का ४॥) व्याज मिला; यदि गवर्नमेंट से उनको मई सन् २७ ई० की ५०) तनख्वाह भी मिली हो तो वह इसे अपने रोज़नामचे में किस तरह लिखेंगे ?

जमा	नाम
४॥) बङ्क खाते जमा	४॥) बङ्क खाते नाम
४॥) व्याज ३००) छः माह दर ।)	४॥) व्याज ३००) छः माह दर ।)
४॥) व्याज खाते नाम	५०) गवर्नमेंट खाते नाम
४॥) व्याज ३००) छः माह दर ।)	५०) तनख्वाह मई सन् २७
५०) गवर्नमेंट खाते जमा	
५०) तनख्वाह मई सन् २७ ई०	
५०) तनख्वाह खाते जमा	
५०) तनख्वाह मई सन् २७	

(६) लाला दुलीचन्द के यहां से २ लोटा ˏ२ दर १।ˎ बिके और किशनलाल एक थाली ˏ१। दर १।ˎ उधार लेगया, प्रेमनरायन १०ˎ नक़द जमा कर गया, पन्नालाल २ कलसा ˏ५ दर १।ˎ सेर केवल ५ˎ देकर लेगया, लालाजी ने ४००ˎ के नोट ≈ˎ॥ सैकड़ा कटौती लेकर बेचे, चैनसुख १ कलसा ˏ२॥ दूनो पीतल देकर बदल ले गया, हरीराम ५ˎ ब्याज के देगया, यदि आज लालाजी को खमानी की आढ़त में २५ˏ कपास दर ५ˎ बिक आई हो जिसमें १।ˎ आढ़त ।ˎ पल्लेदारी ख़र्च हुए हों और ८ˎ किराया दुकान दिया हो; तो इसे लाला दुलीचन्द अपने रोज़नामचे में कैसे लिखेंगे ?

जमा	नाम
१३।≡ˎ माल खाते जमा	१॥−ˎ किशनलाल के नाम
२॥ˎ लोटा दो ˏ२ दर १।ˎ	१॥−ˎ थाली एक ˏ१। दर १।ˎ
१॥−ˎ थाली एक ˏ१। दर १।ˎ	
६।ˎ कलसा दो ˏ५ दर १।ˎ	
३≈ˎ कलसा एक ˏ२॥ दर १।ˎ	६।ˎ पन्नालाल के नाम
	६।ˎ कलसा दो ˏ५ दर १।ˎ
१३।≡ˎ	
१०ˎ प्रेमनरायन के जमा	३≈ˎ माल खाते नाम
१०ˎ रोकड़ हस्ते खुद	३≈ˎ पीतल ˏ५ दर ॥≈ˎ
५ˎ पन्नालाल के जमा	५ˎ हरीराम के नाम
५ˎ रोकड़ हस्ते खुद	५ˎ रोकड़ मध्ये ब्याज
॥≈ˎ कटौती खाते जमा	८ˎ गनेशीलाल के नाम
॥≈ˎ नोट ४००ˎ दर ≈ˎ॥	८ˎ रोकड़ किराया माह मई सन् २७ ई० (नाम कल्पित)

५) हरीराम के जमा
  ५) रोकड़ मध्ये ब्याज

८) किराया खाते नाम
  ८) रोकड़ हस्ते खुद

५) ब्याज खाते जमा
  ५) रोकड़ हस्ते खुद

१२५) खमानी आढ़तिये के नाम
  १२५) कपास २५) दर ५)

८) गनेशीलाल के जमा
  ८) रोकड़ किराया मई सन् २७
  (नाम कल्पित)

१॥) खर्च खाते नाम
  १) आढ़त
  ।) पल्लेदारी

  १॥)

१२५) खमानी आढ़तिये के जमा
  १।) आढ़त
  ।) पल्लेदारी
  १२३॥) रोकड़ हस्ते खुद

  १२५)

१२५) कपास खाते जमा
  १२३॥) रोकड़
  १॥) खर्च

  १२५)

(१८) रोकड़ बाक़ी निकालना और लिखना और विधि घटती-बढ़ती निकालना और लिखना।

उदाहरण (१) लाला गोपीनाथजी ने तारीख़ २४ जून सन् १९२७ ई० को १५००) लगाकर दुकान खोली ५ थान मलमल दर ३६) और २० धोती जोड़ा दर ४) ख़रीदे, लाला जगन्नाथ के यहां से १००) रोकड़ देकर थान डोरिया ४० दर ३) मँगाये तो इसको गोपीनाथ के रोज़नामचे में लिखकर आज की रोकड़ बाक़ी निकालो।

ता० २४ जून सन् १९२७ ई०।

जमा	नाम
१५००) गोपीनाथ के जमा	१००) लाला जगन्नाथ के नाम
१५००) रोकड़ हस्ते ख़ुद	१००) रोकड़ हस्ते ख़ुद
१२०) लाला जगन्नाथ के जमा	३८०) माल खाते नाम
१२०) थान डोरिया ४० दर ३)	१८०) थान मलमल ५ दर ३६)
	८०) धोती जोड़ा २० दर ४),
	१२०) थान डोरिया ४० दर ३)
	३८०)
१६२०) कुल योग	४८०) कुल योग
	११४०) श्रीरोकड़ बाक़ी रही
	१६२०)

उदा० (२) आज २५ जून सन् १९२७ ई० को लाला वंशीधर ने ८००) लगा कर दुकान खोली, ५०ऽ गेहूँ दर ५)' जौ, ४०ऽ दर ३-)' लिये, १५०) रोकड़ देकर दौलतराम के यहाँ से चना ४५ऽ दर ४) मँगाये। १००) के नोट।) सैकड़ा बट्टा लेकर बेचे, तो इसको लाला वंशीधर के रोज़नामचे में लिखकर आज की रोकड़बाक़ी निकालो।

ता० २५ जून सन् १९२७ ई०

८००) वंशीधर के जमा

८००) रोकड़ हस्ते खुद

१८०) दौलतराम के जमा

१८०) चना ४५ऽ दर ४)

।) कटौती खाते जमा

।) नोट १००) दर।)

९८०।) कुल योग

५५२॥) माल खाते नाम

२५०) गेहूँ ५०ऽ दर ५)

१२२॥) जौ ४०ऽ दर ३-)'

।१८०) चना ४५ऽ दर ५)

५५२॥)

१५०) दौलतराम के नाम

१५०) रोकड़ हस्ते खुद

७०२॥) कुल योग

२७७॥।) श्रीरोकड़ बाक़ी रहे

९८०।)

उदा० (३) तारीख़ २५ जून सन् २७ ई० की सुबह को जब लाला गोपीनाथ जी ने दुकान खोली तो ११४०) में थैली में नक़द मौजूद थे आज २ धोती जोड़ा दर ४-) से बेचे। पूरनमल डोरिया गज़ ६ दर ।)। गज़ केवल १) नक़द देकर लेगया। शाम को दुकानबन्द करते समय थैली में ११४९) निकले, तो इसको गोपीनाथ के रोज़-नामचे में लिखकर आज की रोकड़ बाक़ी लिखो।

ता० २५ जून सन् १९२७ ई०

जमा	नाम
११४०) श्रीरोकड़ बाक़ी	१॥-)॥ पूरनमल के नाम
	१॥-)॥ डोरिया गज़ ६ दर ।)।
९॥≡)॥ माल खाते जमा	
८=) धोतीजोड़ा २ दर ४-)	
१॥-)॥ डोरिया गज़ ६ दर ।)।	=) विधि घटती खाते नाम
९॥≡)॥	१॥≡)॥ कुल जोड़
१) पूरनमल का जमा	११४९) श्रीरोकड़ बाक़ी रही
१) रोकड़ हस्ते खुद	
	११५०॥≡)॥
११५०॥≡)॥ कुल जोड़	

उदा० (४) तारीख़ २६ जून सन् २७ ई० को जब प्रातःकाल लाला वंशीधर ने दुकान खोली तो २७७॥) थैली में नक़द मौजूद थे। आज गेहूँ २) दर ५)॥, जौ २) दर ३=) बेचे, जानकीप्रसाद को चना ३॥) दर ४=) केवल १०) लेकर बेचे। शाम को विधि मिलाते समय थैली में ३०५) निकले, तो इसको लाला वंशीधर के रोज़नामचे में लिखकर आज की रोकड़ बाक़ी लिखो।

ता० २६ जून सन् १९२७ ई०

२७७॥) श्री रोकड़ बाक़ी

३०॥) माल खाते जमा

१०-) गेहूँ २) दर ५)॥

६।) जौ २) दर ३=)

१४।≡) चना ३॥) दर ४=)

३०॥)

---

१०) जानकीप्रसाद के जमा

१०) रोकड़ हस्ते खुद

३१८॥) कुल जोड़

॥≡) विधि बढ़ती खाते जमा

३१९।≡) कुल जोड़

१४।≡) जानकीप्रसाद के नाम

१४।≡) चना ३॥) दर ४=)

१४।≡)

---

३०५) श्री रोकड़ बाक़ी रहे

३१९।≡) कुल जोड़

उदा० (५) तारीख़ २५ जून सन् २७ ई० को लाला वंशीधर ने दुकान खोली उसी दिन गेहूँ ५०ऽ दर ५), जौ ४०ऽ दर ३-) लिये। १५०) रोकड़ी देकर दौलतराम के यहाँ से चना ४५ऽ दर ४) मँगाये। १००) के नोट।) सैकड़ा बट्टा लेकर बेचे, तो इसको लाला वंशीधर के रोज़नामचे में लिखो। २७७॥) अगर अपनी रोकड़ बाक़ी निकाली हो, तो बताओ कि कितना रुपया लगा कर दुकान खोली थी।

ता० २५ जून सन् १९२७ ई०

जमा

८००) वंशीधर के जमा
८००) रोकड़ हस्ते खुद

१८०) दौलतराम के जमा
१८०) चना ४५ऽ दर ४)

।) कटौती खाते जमा
।) नोट १००) दर ।)

९८०।) जोड़

नाम

५५२॥) माल खाते नाम
२५०) गेहूँ ५०ऽ दर ५)
१२२॥) जौ ४०ऽ दर ३=)
१८०) चना ४५ऽ दर ४)

५५२॥)

१५०) दौलतराम के नाम
१५०) रोकड़ हस्ते खुद

७०२॥) जोड़
२७७॥।) श्री रोकड़ बाक़ी रहे।
९८०।) कुल जोड़

उदा० (६) लाला तोताराम के यहाँ २२ जून सन् २७ ई० को ६ गज़ लट्ठा दर ॥), रूमाल तीन दर ।) बिके। १००) रोकड़ देकर लाला नौबतराम के यहां से थान मलमल ६ दर ३५) आये। ≡) तेल मिट्टी, -) पान में खर्च हुए। आज को रोकड़ बाक़ी ६८६॥।) निकली तो इसे लाला तोताराम के रोज़नामचे में लिखकर; २१ जून सन् २७ ई० की शाम को दुकान बन्द करते समय थैली में नक़द कितने रुपये थे, इसको बताओ।

ता० २२ जून सन् १६२७ ई०

जमा	नाम
७८६।) श्री रोकड़ बाक़ी थी	१००) नौबतराम के नाम
	१००) रोकड़ हस्ते खुद
३॥।) माल खाते जमा	२१०) माल खाते नाम
३) लट्ठा ६ गज़ दर ॥)	२१०) थान मलमल ६ दर ३५)
॥।) रूमाल ३ दर ।)	
३॥।)	।) खर्च खाते नाम
	≡) तेल मिट्टी
	-) पान
२१०) नौबतराम के जमा	।)
२१०) थान मलमल ६ दर ३५)	
१०००) जोड़	३१०।) जोड़
	६८६॥।) श्री रोकड़ बाक़ी रही
	१०००) जमा का कुल जोड़

रोकड़ बाक़ी निकालने की रीति।

(१) दिन भर की जमा के सिरे की कुल रक़मों के जोड़ में से उसी दिन भर की नाम के सिरे की कुल रक़मों का जोड़ घटा देने से जो शेष बचता है वही रोकड़ बाक़ी होती है। उस दशा में जब कि शेषफल थैली की नक़दी से मिल जावे।

(२) यदि जमा की कुल रक़मों के जोड़ में से नाम की कुल रक़मों के जोड़ को घटाने से शेषफल थैली की नक़दी से नहीं मिलता तो इस शेषफल से जितनी रक़म थैली में कम होती है, उसको "विधि घटती खाता नाम" लिखकर नाम के जोड़ में जोड़ कर इस नये जोड़ जमा के जोड़ में से घटाने से रोकड़ बाक़ी निकलती है।

(३) यदि जमा की कुल रक़मों के जोड़ में से नाम की कुल रक़मों का जोड़ घटाने से शेषफल से थैली की नक़दी अधिक हो, तो जितनी अधिक होती है उसको "विधि बढ़ती खाते" जमा करके जमा वाले जोड़ में जोड़ कर इस नये जोड़ में से नामवाले जोड़ को घटाने से रोकड़ बाक़ी निकलती है।

(४) यदि आज की रोकड़ बाक़ी जानकर आज से १ दिन पहले की रोकड़ बाक़ी निकालनी हो तो नामवाली कुल रक़मों का जोड़ में दी हुई रोकड़ बाक़ी को जोड़ने से जमा की कुल रक़मों के जोड़ ज्ञात हो जाता है। इस जोड़ में से जमा की दी हुई रक़मों के जोड़ को घटाने से एक दिन पहले (उसी दिन प्रातःकाल) की रोकड़ बाक़ी निकल आती है।

रोकड़ बाक़ी लिखने की रीति।

(१) जमा की कुल रक़मों का जोड़ सब से नीचे पड़ी रेखा खींच कर पेटे के पहले कोष्ट में लिखकर "जोड़" शब्द लिख देते हैं। इसी प्रकार नाम की कुल रक़मों का जोड़ लिखते हैं। फिर शेषफल को नाम के जोड़ के नीचे एक पड़ी रेखा खींचकर सिरे में लिखकर पेटे में "श्री रोकड़ बाक़ी रही" लिखकर नीचे एक पड़ी रेखा खींचकर जोड़ को रक़मों के जोड़ को लिख देते है।

(२) यदि "विधि घटती खाता" या "विधि बढ़ती खाते" की आवश्यकता होती है तो उसे लिखकर फिर ऊपर की तरह रोकड़ बाक़ी लिखते हैं।

(३) यदि एक दिन पहले (उसी दिन प्रातःकाल) की रोकड़ निकालनी होती है तो नाम की कुल रक़मों को लिखकर उसका जोड़ ऊपर की भांति लिखते हैं। जमा की दी हुई रक़म लिखने से पहले ऊपर एक दिन पहले (उसी दिन प्रातःकाल) की रोकड़ बाक़ी लिखने को जगह छोड़ कर जमा की दी हुई रक़में लिखकर उनका जोड़ अलग दूसरे काग़ज़ पर लगाते हैं। फिर एक दिन पहले (उसी दिन प्रातःकाल) की रोकड़ बाक़ी निकाल कर छोड़ी हुई जगह के सिरे में रक़म लिखकर पेटे में "श्री रोकड़ बाक़ी" लिखते हैं, परन्तु उस दशा में जबकि उसी दिन दुकान खोली हो तो दुकान खोलने वाले के नाम जमा लिख देते हैं।

विधि घटती बढ़ती निकालने की रीति।

(१) यदि बही की निकली हुई रोकड़ बाक़ी से थैली की रोकड़ कम होती है तो यह मालूम करते हैं कि कितनी कम है। जितनी कम होती है, उतनी ही रक़म विधि घटती खाता जानना चाहिए।

(२) और यदि थैली की रोकड़ बही की निकली हुई बाक़ी से अधिक होती है तो जितनी अधिक होती है, उतनी ही रक़म विधि बढ़ती खाते की निकल आती है।

विधि घटती बढ़ती लिखना।

(१) यदि विधि-घटती है तो नाम की रक़मों के जोड़ के नीचे उस रक़म को "विधि घटती खाते" नाम लिखते हैं।

(२) यदि विधि बढ़ती है तो उस रक़म को जमा की रक़मों के जोड़ के नीचे "विधि बढ़ती खाते जमा" लिखते है।

अभ्यासार्थ प्रश्न।

१—लाला अम्बाशङ्कर के यहाँ कल शाम को दुकान बन्द करते समय ४५०) रोकड़ बाक़ी थी, आज २००) श्यामलाल को नक़द दिया और जवाहरमल १०) रोकड़ देकर ४० भर चाँदी दर ||=) लेगया तो इसे अम्बाशंकरजी के रोज़नामचे में लिखकर आज की रोकड़ बाक़ी निकालो।

२—लाला हरिहरजी के यहाँ से जगमोहन जिसे ६ माह हुए १||) सैकड़ा मासिक पर उधार लेगया था, आज ब्याज समेत २७२||) देकर हिसाब चुकता कर गया और ५०) रोकड़ आत्माराम को उधार दिये। यदि आज की रोकड़ बाक़ी ६७२||) हो तो आज प्रातःकाल दुकान खोलते समय थैली में क्या रक़म थी?

३—लाला हरिमोहनजी ने जो प्रातःकाल दुकान खोली तो उनकी थैली में २१०||=) थे। यदि आज १६) की बिक्री हुई हो २०) देकर सोना तोला २ दर २२||) प्यारेलाल सुनार लेगया हो और रात को विधि मिलाते समय १) की कमी पड़ती हो तो इसको हरिमोहन के रोज़नामचे में लिखकर आज की रोकड़ बाक़ी निकालो।

---

(१९) याद आने पर विधि घटती बढ़ती की पूर्त्ति।

उदा० (१) लाला नन्नूमल ने २० जून सन् २७ ई० की प्रातः-काल जब दुकान खोली तो ७५०) थैली में थे। उस दिन उन्होंने १००) रोकड़ देकर थान मलमल ८ दर ३५) ख़्यालीराम के यहां से ख़रीदे। तुलाराम १०) नक़द जमा कर गया। रात को विधि मिलाते समय ॥=) की कमी पड़ी और तारीख़ २१ जून सन् २७ ई० को याद आगई कि ॥=) के अनार घर को भेजे थे। उस दिन २ थान मलमल दर ३६) बेचे तो इसको नन्नूमलजी के दोनों दिन के रोज़नामचे में लिखकर दोनों दिनों की रोकड़ बाक़ी निकालो और विधि घटती की पूर्त्ति करो।

तारीख़ २० जून सन् १९२७ ई०

जमा	नाम
७५०) श्री रोकड़ बाक़ी	१००) ख़्यालीराम के नाम १००) रोकड़ हस्ते खुद
२८०) ख़्यालीराम के जमा २८०) थान मलमल ८ दर ३५)	२८०) माल खाते नाम २८०) थान मलमल ८ दर ३५)
	३८०) जोड़
१०) तुलाराम के जमा १०) रोकड़ हस्ते खुद	॥=) विधि घटती खाते नाम
१०४०) जोड़	३८०॥=) कुल जोड़
	६५९।=)। श्री रोकड़ बाक़ी रही
	१०४०)

तारीख २१ जून सन् १९२७ ई०

जमा	नाम
६५९।=) श्री रोकड़ बाक़ी	॥=) मकान खर्च खाते नाम
	॥=) अनार विलायती
॥=) विधि बढ़ती खाते जमा	॥=) जोड़
७२) माल खाते जमा	७३१।=) श्री रोकड़ बाक़ी रही
७२) थान मलमल २ दर ३६)	
	७३२)
७३२) जोड़	

उदा० (२) असाढ़ बदी ७ बुधवार संवत् १९८४ को लाला नाथूराम के यहाँ प्रातःकाल जब दुकान खोली तो ६००) थैली में मौजूद थे। उस दिन प्यारेलाल जिसे ६ माह हुए २००) २) प्रति सैकड़ा से लेगया था, ब्याज समेत कुल हिसाब चुकता कर गया। राते को विधि मिलाते समय १) बढ़ा, असाढ़ बदी ८ वृहस्पतिवार को याद आगई कि वह रुपया पूरन कहार जमा कर गया था। उस दिन सोना तोले २ दर २२॥) बिका तो नाथूराम जी के दोनों दिनों के रोज़-नामचे में इसे लिखकर दोनों दिन की रोकड़ बाक़ी लिखो और विधि बढ़ती की पूर्ति करो।

श्री शुभमिती असाढ़ बदी ७ बुधवार संवत् १९८४ विक्रमी।

जमा	नाम
६००) श्री रोकड़ बाक़ी	२४) प्यारेलाल के नाम २४) ब्याज २००) छः माह दर २)
२२४) प्यारेलाल के जमा २००) मूल २४) ब्याज ६ माह दर २) २२४)	२४) जोड़
२४) ब्याज खाते जमा २४) ब्याज २००) छः माह दर २)	८२५) श्री रोकड़ बाक़ी रहे
८४८) जोड़	८४९)
१) विधि बढ़ती खाते जमा ८४९) कुल जोड़	

श्री शुभमिती असाढ़ वदी ८ बृहस्पतिवार संवत् १६८४ विक्रमी ।

जमा	नाम
८२५) श्री रोकड़ बाक़ी	१) विधि घटती खाते नाम
	१) जोड़
१) पूरन कहार का जमा	
१) रोकड़ हस्ते खुद	८७०) श्री रोकड़ बाक़ी रही
	८७१)
४५) माल खाते जमा	
४५) सोना तोल २ दर २२॥)	
८७१) जोड़	

रीति (१) यदि "विधि घटती खाते" की याद आजाती है, तो वह रक़म जिसको दी गई है (जिस काम में उठी है), उसी के नाम (उसी के खाते नाम) लिखदी जाती है और उतनी ही रक़म "विधि बढ़ती खाते" जमा करदी जाती है ।

(२) यदि "विधि बढ़ती खाते" को याद आजाती है, तो वह रक़म जो कोई जमा कर गया है (जिस मद से वसूल हुई है), उसी के नाम (उसी के खाते में) जमा करदी जाती है और वही रक़म विधि घटती खाते नाम लिख कर पूर्ति करते हैं ।

अभ्यासार्थ प्रश्न ।

१—लाला जवाहरलाल जी के यहाँ मिती जेष्ठ शुक्ला पूर्णमासी बुधवार संवत् १६८४ विक्रमी को प्रातःकाल ८२५।) श्री रोकड़ बाकी थे ।

उस दिन १००) रोकड़ देकर ८ तोले सोना दर २२॥) जानकीदास से लिया। ५०) शेरसिंह को उधार दिये। रात को विधि मिलाते समय)॥ की कमी पड़ी। दूसरे दिन याद आगई कि)॥ के पान आये थे। उस दिन सोना तोले ३ दर २२॥=) तुलाराम को ५०) रोकड़ी लेकर बेचा तो जवाहरलालजी के दोनों दिन के रोज़-नामचे में इसे लिखकर दोनों दिन की रोकड़ बाक़ी निकालो।

२—सीताराम के यहाँ तारीख़ २९ जून सन् १९२७ ई० शुक्रवार को प्रातःकाल ९२७।-) श्री रोकड़ बाक़ी थे। उस दिन पूरनचन्द के यहां से २५ गेहूँ दर ५), १००) रोकड़ देकर लिये। बङ्क से ६ माह का व्याज ६) वसूल हुआ। रात को विधि मिलाते समय ॥।) बढ़े दूसरे दिन याद आगई कि ॥।) तोताराम जमा कर गया था। उस दिन ६) श्यामलाल जमा कर गया १०) देकर दौलतराम ३ गेहूँ दर ५।) लेगये, तो सीताराम के रोज़नामचे में इसे लिखकर रोकड़ बाक़ी निकालो।

३—लाला श्यामबिहारीलाल जी ने ५००) लगाकर मिती असाढ़ बदी अमावस बुधवार संवत् १९८४ विक्रमी को दुकान खोली। उसी दिन उन्होंने २००) के नोट ।) सैकड़े का बट्टा लेकर बेचे। थान ५ डोरिया दर ३), जोड़ा धोती २५ दर ४), थान मलमल २ दर ३६) लाला श्यामसुन्दरलाल जी के यहाँ से १५०) नक़द देकर मँगाये। रात को विधि मिलाते समय)। की कमी पड़ी, दूसरे दिन याद आई कि)। का एक दियासलाई एक छोटा बक्स मँगाया था। यदि उस दिन २ धोती जोड़ा दर ४-), मलमल गज़ ६ दर ॥) बेची हो, तो इसे श्यामबिहारीलाल के रोज़नामचे में लिखकर रोकड़ बाक़ी निकालो।

नोट—पैसे दो पैसे की भूलचूक को बहुधा बट्टे खाते लिखते हैं और बहुत से लोग विधि घटती बढ़ती की जगह भी बट्टाखाता ही लिखते हैं।

(२०) पूर्ण रोज़नामचा लिखना (कच्चा)

उदा० (१) लाला जानकीप्रसाद ने तारीख़ २५ जून सन् १९२७ ई० की रात को जब दुकान बन्द की तो उनकी थैली में ६४०) मौजूद थे। तारीख़ २६ जून सन् २७ ई० इतवार को पन्नालाल मलमल गज़ ८ दर ॥), २) नक़द देकर लेगया, मोतीलाल ५०) नक़द २) सै० मासिक पर लेगया, श्यामलालजी २ धोती जोड़ा दर ४) उधार लेगये, फिर वही पन्नालाल १) नक़द जमा कर गये, शाम के वक्त वही श्यामलालजी ५) नक़द देकर १ धोती दर २) और लेगये और २ थान डोरिया दर ३) और ४ रूमाल दर ।) बिके तो लाला जानकीप्रसाद का २६ जून सन् २७ ई० का रोज़नामचा लिखो।

ता० २६ जून सन् १९२७ ई० इतवार

जमा	नाम
६४०) श्री रोकड़ बाक़ी	४) पन्नालाल के नाम ४) मलमल गज़ ८ दर ॥)
२) पन्नालाल के जमा २) रोकड़ हस्ते खुद	५०) मोतीलाल के नाम ५०) रोकड़ २) सैकड़ा मा० हस्ते खुद
४) मलमल खाते जमा ४) मलमल गज़ ८ दर ॥)	८) श्यामलाल के नाम ८) धोती जोड़ा २ दर ४)

८) धोती जोड़ा खाते जमा
 ८) धोती जोड़ा २ दर ४)

१) पन्नालाल का जमा
 १) रोकड़ हस्ते खुद

५) श्यामलाल के जमा
 ५) रोकड़ हस्ते खुद

२) धोती जोड़ा खाते जमा
 २) धोती १ दर २)

७) बिक्री खाते जमा
 ६) डोरिया थान २ दर ३)
 १) रूमाल ४ दर ।)

 ७)

६६९) जोड़

२) श्यामलाल के नाम

 २) धोती १ दर २)

 ६४) जोड़

६०५) श्री रोकड़ बाक़ी रहे

 ६६९)

उदा० (२) लाला नानकचन्द ने मिती असाढ़ बदी १५ बुधवार को प्रातःकाल जब दुकान खोली तो थैली में ८१०) मौजूद थे। उस दिन लाला तोताराम परात दो ६ दर १।) दूनी पीतल देकर बदल लेगये। १०००) बङ्क से निकाल कर मोहनलाल को २) सैकड़ा मासिक पर उधार दिये। -) का शाक -) का दही घर भेजा। वही लाला तोताराम १ परात ३ बराबर की पीतल १) रोकड़ देकर उधार लेगये। ५००) के नोट ।) सैकड़ा बट्टा लेकर बेचे। यदि शाम को लाला तोताराम जी ॥) और देगये हों तो उस दिन का लाला नानकचन्द का रोज़नामचा लिखो।

श्री शुभ मिती असाढ़ बदी १५ बुधवार संवत् १९८४ विक्रमी।

जमा	नाम
८१०) श्री रोकड़ बाक़ी	७॥) पीतल खाते नाम ७॥) पीतल ।६२ दर ॥=)
७॥) परात खाते जमा ७॥) दो परात ६ दर १।)	१०००) मोहनलाल के नाम १०००) रोकड़ हस्ते खुद २) सै० मा०
१०००) बङ्क खाते जमा १०००) रो . .स्ते खुद	=) मकान खर्च खाते नाम -) शाक -) दही =)
२॥।=) तोताराम के जमा १॥।=) पीतल ६२ दर ॥=) १) रोकड़ हस्ते खुद २॥।=)	३॥।) तोताराम के नाम ३॥।) परात एक ६३ दर १।)

१।) कटौती खाते जमा
१।) नोट ५००) दर ।)

॥) तोताराम के जमा
॥) रोकड़ हस्ते खुद

३॥।) परात खाते जमा
३॥।) परात एक ع३ दर १।)

१८२५॥।=) जोड़

१॥।=) पीतल खाते नाम
१॥।=) पीतल ع३ दर ॥=)

१०१३।) जोड़

८१२॥=) श्री रोकड़ बाक़ी रहे

१८२५॥।=)

उदा० (३) लाला दौलतराम आढ़तिये के यहाँ मिती आषाढ़ सुदी १ गुरुवार को खमानीराम के ४०ऽ गेहूँ ५) मन बिके, जिसमें २) आढ़त ॥) पल्लेदारी खर्च हुए। खमानीराम अपना हिसाब चुकता कर लेगये। १००) रोकड़ देकर लाला हीरालाल के यहाँ से ५०ऽ चना दर ४) मँगाये। भूपसिंह ५) ब्याज १ माह दर २) सैंकड़ा जमा कर गये, नाहरसिंह १०) देकर चना ४ऽ दर ४।) लेगये। शाम को लाला हीरालाल के आदमी को ५०) रोकड़ और दिये गये और ५) नक़द नाहरसिंह जमा कर गये। दुकान बन्द करते समय १) बढ़ा तो उस दिन का लाला दौलतराम का रोज़नामचा लिखो।

श्री शुभ मिती आषाढ़ सुदी १ गुरुवार संवत् १९८४ वि०।

जमा	नाम
८००) श्री रोकड़ बाक़ी (कल्पित)	२००) खमानीराम के नाम
	१९७॥) रोकड़ हस्ते खुद
	२) आढ़त
२००) खमानीराम के जमा	॥) पल्लेदारी
२००) गेहूँ ४०ऽ दर ५)	
	२००)
२) आढ़त खाते जमा	१००) लाला हीरालाल के नाम
२) गेहूँ २००) दर १) सै०	१००) रोकड़ हस्ते खुद
२००) ला० हीरालाल के जमा	२००) चना खाते नाम
२००) चना ५०ऽ दर ४)	२००) चना ५०ऽ दर ४)

५) भूपसिंह के जमा
५) ब्याज १ माह २५०) दर २)

---

१०) नाहरसिंह के जमा
१०) रोकड़ हस्ते खुद

---

१७) चना खाते जमा
१७) चना ४) दर ४।)

---

५) नाहरसिंह के जमा
५) रोकड़ हस्ते खुद

---

५) ब्याज खाते जमा
५) एक माह २५०) दर २)

१२४४) जोड़

---

१) विधि बदली खाते जमा

१२४५) कुल जोड़

---

५) भूपसिंह के नाम
५) ब्याज १ माह २५०) दर २)

---

१७) नाहरसिंह के नाम
१७) चना ४) दर ४।)

---

५०) लाला हीरालाल के नाम
५०) रोकड़ हस्ते कल्लू नौकर

---

५७२) जोड़

---

६७३) श्री रोकड़ बाक़ी रहे

१२४५)

रीति (१) सब से पहले तारीख़ या तिथि वार सहित लिखते हैं।

(२) फिर जमा और नाम के कोष्ठों की सीमा खींचते हैं।

(३) एक दिन पहले (उसी दिन प्रातःकाल) की रोकड़बाक़ी जमा की जाती है। यदि दी हुई नहीं होती तो प्रश्नानुसार कल्पित कर ली जाती है।

(४) नक़द माल का क्रय-विक्रय, उधार माल का क्रय-विक्रय आदि पिछली रीति के अनुसार जो जो रीति प्रश्न में आई हो उसकी पूर्ति करो।

(५) हर मद्द के रुपये को उसके सिरे में लिखकर उसी के पेटे में उसका ब्यौरा खोला जाता है।

(६) अन्त में रोकड़ बाक़ी निकाल कर उसे रोकड़ बाक़ी के नाम लिखते हैं।

(७) जमा के जोड़ को रोकड़ बाक़ी के नीचे पेटे के पहले कोष्ठ में लिखते हैं।

(८) यदि उधार लेजानेवाले (जमा कर जानेवाले) की तिथि आदि नहीं दी होती, तो मान कर उसके आगे कोष्ठ में कल्पित लिख देते हैं।

अभ्यासार्थ प्रश्न।

१—मोहनसिंह ने लाला आत्माराम की दुकान से मलमल थान २ दर १५) लेकर २०) रोकड़ी दिये। ५) रोकड़ी पूरनसिंह जमा करगये। इसके बाद ५) रोकड़ी मोहनसिंह जमा कर गये तो उस दिन का आत्माराम का रोज़नामचा बनाओ।

२—लाला जगमोहन ने आज १२००) लगाकर दुकान खोली। ५००) के नोट ।) सैकड़ा बट्टा लेकर बेचे। चाँदी १०० भर दर ॥=), सोना २० तोला दर २२) लाला सोहनलाल के यहां से ४००) रोकड़ देकर मँगाया। उल्फतराय सोना २ तोले दर २२॥) केवल ४०) देकर ले गये। शाम को लाला सोहनलाल के नौकर को ५०) रोकड़ और दिये तो लाला जगमोहन का रोज़नामचा लिखो।

३—तारीख़ २० जून सन् २७ ई० को मोहनलाल के यहाँ प्रातःकाल को ८००) श्री रोकड़ बाक़ी थे। उसी दिन २) गेहूँ दर ५), सोहनलाल ८) रोकड़ देकर लेगये। ५००) रोकड़ लाला तुलाराम को २) सैकड़ा माहवार पर उधार दिये। १०) ब्याज के मानफूल देगया, शामको १) रोकड़ सोहनलाल और जमा कर गये। तारीख़ १९ जून सन् २७ ई० को जो ॥) घटे थे उनकी याद आगई कि ॥) ख़्याली माली को दिये थे, तो २० जून सन् २७ ई० को सोहनलाल का रोज़नामचा बनाओ।

---

(२१) पूर्ण रोकड़बही बनाना (पक्की)

उदा० (१) रोजनामचे का उदाहरण नम्बर १

तारीख २६ जून १९२७ ई० इतवार।

जमा	नाम
[illegible]) श्री रोकड़ बाकी	४) पन्नालाल के नाम
	४) मलमल गज़ ८ दर ॥)
[illegible]) पन्नालाल के जमा	५०) मोतीलाल के नाम
[illegible]) रोकड़ हस्ते खुद	५०) रोकड़ २) सैं० हस्ते खुद
[illegible]) माल खाते जमा	१०) श्यामलाल के नाम
[illegible]) धोती जोड़ा ढाई दर ४)	१०) धोती जोडा ढाई दर ४)
[illegible]) मलमल गज़ ८ दर ॥)	
[illegible]) [illegible] थान [illegible] दर [illegible])	
[illegible]) [illegible] दर [illegible])	६४) जोड़
[illegible])	[illegible]) श्री रोकड़ बाक़ी रहे
[illegible] के जमा	
[illegible]	६६६)
[illegible]	

उदा० (२) रोज़नामचे का उदाहरण नम्बर २
श्री शुभ मिती आषाढ़ वदी १५ बुधवार संवत १९८४ वि०

जमा	नाम
८१०) श्री रोकड़ बाक़ी	१०००) मोहनलाल के नाम १०००) रोकड़ २) सैकड़ा हस्ते खुद
१०००) बेङ्क खाते जमा १०००) रोकड़ हस्ते खुद	६।≈) माल खाते नाम ६।≈) पीतल ।८५ दर ॥≈)
३।≈) तोताराम के जमा १॥।≈) पीतल ८३ दर ॥≈) १॥) रोकड़ हस्ते खुद ३।≈)	≈) मकान खर्च खाते नाम –) शाक –) दही ≈)
१।) कटौती खाते जमा १।) नोट ४००) दर ।)	३॥) तोताराम के नाम ३॥) परात एक ८३ दर १।)
१८२५॥।≈)	१०१३।) जोड़
	८१२॥≈) श्री रोकड़ बाक़ी रही
	१८२५॥।≈)

उदा० (३) रोज़नामचे का उदाहरण नम्बर ३

श्री शुभ मिती आषाढ़ शु० १ गुरुवार संवत् १९८४ वि०

जमा	नाम
८००) श्री रोकड़ बाक़ी (कल्पित)	२००) खमानीराम के नाम १९७॥) रोकड़ हस्ते खुद २) आढ़त ॥) पल्लेदारी २००)
२००) खमानीराम के जमा २००) गेहूँ ४०) दर ५)	
२) आढ़त खाते जमा २) गेहूँ २००) दर १)	१५०) ला० हीरालाल के नाम १००) रोकड़ हस्ते खुद ५०) रोकड़ हस्ते कल्लू नौकर (नाम कल्पित) १५०)
२००) लाला हीरालाल के जमा २००) चना ५०) दर ४)	
५) भूपसिंह के जमा ५) ब्याज २५०) एक माह दर २)	२००) माल खाते नाम २००) चना ५०) दर ४)
५) ब्याज खाते जमा ५) रोकड़ हस्ते खुद	५) भूपसिंह के नाम ५) ब्याज २५०) एक माह दर २)

जमा	नाम
१५) नाहरसिंह के जमा	१७) नाहरसिंह के नाम
१५) रोकड़ हस्ते खुद	१७) चना ४५ दर ४।)
१७) माल खाते जमा	५७२) जोड़
१७) चना ४५ दर ४।)	
१) विविध बहीखाते जमा	६७३) श्री रोकड़ बाक़ी रही
१२४५) जोड़	१२४५)

रीति—(१) सबसे पहले तिथि या तारीख़ दिन सहित लिखते है।

(२) फिर जमा और नाम के कोष्ठों की सीमा के हेतु एक एक पड़ी रेखा खींचते हैं।

(३) सब से पहले उससे एक दिन पहली रात (उसी दिन प्रातःकाल) की रोकड बाक़ी जमा को जाती है यदि प्रश्न में नहीं दी होती तो कल्पित करके प्रश्नानुसार लिखते है। ऐसी दशा में कल्पित शब्द कोष्ट में लिख देते है (कच्चे रोज़नामचे के अनुसार लिखते है)।

(४) जमा के पेटे में माल खाते जमा और नाम के पेटे में माल खाते नाम लिखकर कच्चे रोज़नामचे के सामने होने की दशा में जमा की माल खाते जानेवाली रक़मों की जमा उसके नीचे पेटे के पहले कोष्ठ में क्रमशः एक एक करके लिख कर पेटे के शेष ख़ानों में प्रत्येक का ब्यौरा लिखकर उनको सिराङ्क देते हैं और वही जोड़ सब के नीचे पड़ी रेखा कर लिख देते है। यही क्रिया नाम की माल खाते जाने वाली रक़मों पर की जाती है।

किसी प्रश्न के सामने होने की दशा में भी यही क्रिया की जाती है।

(५) कच्चे रोज़नामचे के सामने होने की दशा में यह देखते है कि किसी आदमी के नाम रक़म दो या अधिक बार तो इस तिथि में

नहीं है। यदि होती है तो सबका जोड़ एक जगह उस आदमी के नाम लिख देते हैं, यही क्रिया जमा के कोष्ठों में भी की जाती है।

(६) किसी प्रश्न के सामने होने की दशा में भी यही विचारा जाता है कि कोई आदमी एक बार से अधिक जमा तो नहीं कर गया। यदि ऐसा होता है तो सबका जोड़ उसके नाम जमा किया जाता है। यही विचार माल ले जाने या नक़द लेजाने पर कर के सब का जोड़ उसके नाम लिख दिया जाता है। पेटे में ब्यौरा लिख दिया जाता है।

(७) इसी भाँति और मद्दों को भी कच्चे रोज़नामचे से रोकड़ में लिखते है।

(८) यदि प्रश्न है तो उस दशा में भी नक़द माल का क्रय-विक्रय व उधार माल का क्रय-विक्रय आदि पिछली रीतियों के अनुसार प्रश्न मे आई हुई रीतियों को उक्त विचार को सामने रख कर लिखते है।

(९) अन्त में रोकड़ बाक़ी निकाल कर लिख देते हैं।

(१०) यदि प्रश्न मे उधार लेजानेवाले या जमा कर जानेवाले या तिथि आदि नहीं दी होतो तो उसे मान कर लिखते हैं, उसके आगे कोष्ट मे 'कल्पित' शब्द लिख देते है।

कच्चे रोज़नामचे और रोकड़बही का अन्तर।

(१) रोज़नामचे में यदि किसी एक तिथि में एक आदमी थोड़े २ अर्से से कई बार जमा कर जावे (उधार लेजावे) तो उतने ही बार उसके नाम रक़में जमा होंगी (नाम लिखी जावेंगी) पर रोकड़ बही में उनको जमा करके एक बार ही जमा की जायेंगी (नाम लिखी जावेंगी)।

(२) ऐसा ही और और मद्दों में भी होता है।

नोट—रोज़नामचा (कच्चे) और रोकड़ बही के उदाहरणों की तुलना कराके उनका अन्तर स्पष्ट रूप से निकाला जा सकता है।

अभ्यासार्थ प्रश्न।

१—रोज़नामचे के अभ्यास का प्रश्न नम्बर १।
२—रोज़नामचे के अभ्यास का प्रश्न नम्बर २।
३—रोज़नामचे के अभ्यास का प्रश्न नम्बर ३।

(२२) अभ्यासार्थ प्रश्न।

(१) आत्माराम ने शिवचरन को ॥) सैंकड़ा ब्याज पर ८० तोले चांदी के कड़े गिरवी रख कर ४०) उधार दिये तो आत्माराम के रोज़नामचे में लिखो।

श्री शुभ मिती आषाढ़ सुदी २ शुक्रवार संवत् १९८४ विक्रमी (कल्पित)

जमा	नाम
५००) श्री रोकड़ बाक़ी (कल्पित)	४०) शिवचरन के नाम
	४०) रोकड़ बदले चाँदी के कड़े जोड़ी एक ८० तोले ॥) सैंकड़ा माहवार
५००) कुल जोड़	४०) जोड़
	४६०) श्री रोकड़ बाक़ी रहे
	५००)

(२) सालिगराम ने मुकन्दलाल को गबरून थान १२ को ३०) में दिया। मुकन्दलाल से सालिगराम ने ३) चावल दर ७।) मन लिये तो सालिगराम के रोज़नामचे में इसे दिखलाओ।

तारीख़ २७ जून सन् १९२७ ई० सोमवार (कल्पित)

जमा	नाम
१००) श्रीरोकड़ बाकी (कल्पित)	३०) मुकन्दलाल के नाम ३०) गबरून थान १२ दर २।।)
२१।।।) मुकन्दलाल के जमा २१।।।) चावल ३) दर ७।)	२१।।।) माल खाते नाम २१।।।) चावल ३) दर ७।)
३०) माल खाते जमा ३०) गबरून थान १२ दर २।।)	५१।।।) जोड़
	१००) श्री रोकड़ बाकी रहे
१५१।।।) जोड़	१५१।।।)

(३) रामस्वरूप ने करीमुद्दीन सौदागर को ।ऽ सुपारी दर ।=) सेर और ऽ२॥ बादाम दर १=) सेर से बेचे और उसके यहां से ५ टोपियाँ दर १।) प्रति टोपी, २ छाते दर १॥-) प्रति छाता, ५ गुलूबन्द दर ॥।) प्रति गुलूबन्द खरीदे। दोनों अपनी अपनी रोकड़बही में किस किस तरह लिखेंगे?

रोकड़बही लाला रामस्वरूपजी—
तारीख़ २० जून सन् १९२७ ई० सोमवार (कल्पित)

जमा	नाम
२५०) श्रीरोकड़ बाक़ी (कल्पित)	६॥-) करीमुद्दीन के नाम
	३॥।) सुपारी ।ऽ दर ।=)
६॥-) माल खाते जमा	२॥।-) बादाम ऽ२॥ दर १=)
३॥।) सुपारी ।ऽ दर ।=)	६॥-)
२॥।-) बादाम ऽ२॥ दर १=)	१३=) माल खाते नाम
६॥-)	६।) टोपी ५ दर १।)
१३=) करीमुद्दीन के जमा	३=) छाता २ दर १॥-)
६।) टोपी ५ दर १।)	३॥।) गुलूबन्द ५ दर ॥।)
३=) छाता २ दर १॥-)	१३=)
३॥।) गुलूबन्द ५ दर ॥।)	१९॥≡) जोड़
१३=)	२५०) श्रीरोकड़ बाक़ी रही
२६९॥≡) जोड़	२६९॥≡)

रोकड़बही शेख़ करीमुद्दीन।

तारीख़ २० जून सन् १९२७ ई० सोमवार (कल्पित)

जमा	नाम
१५०) श्री रोकड़ बाक़ी (कल्पित)	१३=) रामस्वरूप के नाम
	६।) टोपी ५ दर १।)
१३=) माल खाते जमा	३=) छाता २ दर १॥-)
६।) टोपी ५ दर १।)	३॥।) गुलूबन्द ५ दर ॥।)
३=) छाता २ दर १॥-)	
३॥।) गुलूबन्द ५ दर ॥।)	१३=)
१३=)	६॥-) माल खाते नाम
	३॥।) सुपारी ।ऽ दर ।=)
६॥-) रामस्वरूप के जमा	२॥।-) बादाम ऽ२॥ दर १=)
३॥।) सुपारी ।ऽ दर ।=)	
२॥।-) बादाम ऽ२॥ दर १=)	६॥-)
६॥-)	१९॥≡) जोड़
१६९॥≡) जोड़	१५०) श्री रोकड़ बाक़ी रही
	१६९॥≡)

(४) तुम्हारे पास ४००) रोकड़ है। रामाधीन ने ७०) नक़द और किशनस्वरूप ने १००) के गेहूँ तुम्हारे पास भेजे। अगर तुमने उसी दिन ६०) गेंदालाल को उधार और १२) दुकान का किराया दिया हो तो अपनी रोकड़ वही लिखो।

ता० २१ जून सन् १९२७ ई० मङ्गल (कल्पित)'

जमा	नाम
४००) श्री रोकड़ बाक़ी	१००) माल खाते नाम १००) गेहूँ २०ऽ दर ५) (कल्पित)
७०) रामाधीन के जमा ७०) रोकड़ हस्ते खुद	६०) गेंदालाल के नाम ६०) रोकड़ हस्ते खुद
१००) किशनस्वरूप के जमा १००) गेहूँ २०ऽ दर ५) (कल्पित)	१२) पूरनमल के नाम १२) किराया दुकान मई सन् २७ मई (कल्पित)'
१२) पूरनमल के जमा १२) किराया दुकान मई सन् २७ ई० (कल्पित)	१२) किराया खाते नाम १२) रोकड़
५८२) जोड़	१८४) जोड़
	३९८) श्रीरोकड़ बाक़ी रही
	५८२)

(५) मीरूलाल निहालचन्द आढ़तिया ने १००) के गेहूँ ।ऽ के हिसाब से लिये। नन्दराम मोहनराम चावलवाले के ५०ऽ चावल ऽ४ के भाव बेचे। जिस में ॥) दलाली १॥) किराया ।=) पल्लेदारों के ख़र्च हुए। बताओ वह इस को अपनी रोकड़बही में किस भांति लिखेगा।

ता० २२ जून सन् १९२७ ई० बुधवार (कल्पित)

जमा	नाम
७००) श्री रोकड़ बाक़ी (कल्पित)	५००) नन्दराम मोहनराम के नाम
	४९७॥=) रोकड़ हस्ते ख़ुद
५००) नन्दराम मोहनराम के जमा	॥) दलाली
५००) चावल ५०ऽ दर ऽ४	१॥) किराया
	।=) पल्लेदारी
१२००) जोड़	५००)
	१००) माल खाते नाम
	१००) गेहूँ २५) दर ।ऽ
	६००) जोड़
	६००) श्री रोकड़ बाक़ी रही
	१२००)

(६) लाला बाबूलाल बजाज़ की दुकान पर २७ जौलाई सन् १९१५ ई० को ७३२॥।-)॥ रोकड़ थी। २८ जौलाई सन् १९१५ ई० को ८०) की बिक्री हुई। बाबू कामताप्रसाद से १५॥=)॥ उधार में वसूल हुए। २५॥=) का कपड़ा उनके नाम लिखा गया तो २८ जौलाई सन् १९१५ ई० को लाला बाबूलाल की रोकड़ लिखो।

तारीख़ २८ जौलाई सन् १९१५।

जमा	नाम
७३२॥।-)॥ श्री रोकड़ बाक़ी	२५॥=) बाबू कामताप्रसाद के नाम २५॥=) धोती जोड़ा ५ दर ५=) (व्यौरा कल्पित)
१५॥=)॥ बाबू कामताप्रसाद के जमा १५॥=)॥ रोकड़ हस्ते खुद	२५॥=) जोड़
२५॥=) माल खाते जमा २५॥=) धोती जोड़ा ५ दर ५=) (व्यौरा कल्पित)	८२८॥) श्री रोकड़ बाक़ी रही
८०) बिक्री खाता जमा ८०) रोकड़	८५४=)
८५६=) जोड़	

(७) सूरजमल चाँदमल घड़ीसाज़ के पास फागुन सुदी ४ संवत् १६७६ के सवेरे रोकड़ में २५१॥।)॥ नक़द थे। उस दिन उन्होंने १५) नक़द में एक घड़ी रामकिशोर के हाथ बेची और एक टाइमपीस घड़ी ५) नक़द में बेची और दीवार पर लगाने की बड़ी घड़ी २५) में शिवशङ्कर के हाथ उधार बेची। उनके पास घड़ी की वेस्ट ऐण्ड कम्पनी के यहाँ से ५००) के मूल्य की १० घड़ियों का पार्सल भी आया। जिस में उन्होंने ५०) चुका दिये, उन्होंने कामतानाथ को १००) उधार भी दिये। अपनी दुकान के लिए ४॥) का एक लैम्प भी ख़रीदा तो सूरजमल चांदमल का पक्का रोज़नामचा बनाओ।

श्री शुभ मिती फागुन सुदी ४ संवत् १६७६ विक्रमी

जमा	नाम
२५१॥।)॥ श्री रोकड़ बाक़ी	२५) शिवशङ्कर के नाम (खा० ४८) २५) दीवार पर लगाने की बड़ी घड़ी एक
४५) माल खाते जमा (खा०५१) १५) घड़ी एक १५) ५) टाइमपीस एक ५) २५) दीवार पर लगाने की एक २५)	५००) माल खाते नाम (खा० ५१) ५००) घड़ी १० दर ५०)
४५)	५०) वेस्ट ऐण्ड कम्पनी के नाम (खा० ५०) रोकड़ हस्ते चिट्ठीरसा

५००) वेस्ट ऐगड कम्पनी के जमा	१००) कामतानाथ के नाम
(खा० ५०)	(खा० १२)
५००) घड़ी १० दर ५०)	१००) रोकड़ हस्ते खुद
७६६॥।)॥ जोड़	४॥) दुकान ख़र्च खाते नाम
	(खा०५२) ४॥) लैम्प एक
	६७६॥) जोड़
	११७।)॥ श्री रोकड़ बाक़ी रही
	७६६॥।)॥

(८) पन्नालाल महाजन के पास चैत सुदी २ संवत् १९७९ को ५७३॥=) रोकड़ थे। उसने २५) गुलज़ारीलाल को ३५) निहालचन्द को उधार दिये ५३०) जगन्नाथ महाजन को अपने ऋण में वापस दिये जिसमें ५००) मूल के ३०) ब्याज ५) प्रति सैकड़ा से उसको ११२) रुपया १००) मूल १२) व्याज २ वर्ष का ६) प्रति सैकड़ा से खुदाबख़्श से मिले। ६०) अर्द्ध वार्षिक व्याज बैङ्क से मिला तो पन्नालाल जी का उस दिन का पक्का रोज़नामचा लिखो।

श्री शुभ मिती चैत्र सुदी २ संवत् १९७९ विक्रमी

जमा ———————————— नाम ————————————

जमा

५७३॥=) श्री रोकड़ बाक़ी

३०) जगन्नाथ के जमा

३०) ब्याज १४ माह १२ दिन
दर ५)

११२) खुदाबख़्श के जमा
१००) मूल
१२) ब्याज २ साल दर ६)

११२)

६०) बैङ्क खाते जमा
६०) ब्याज ६ मास २०००) दर ।)

नाम

२५) गुलज़ारीलाल के नाम
२५) रोकड़ दर १) सैकड़ा
(दर कल्पित)

३५) निहालचन्द के नाम
३५) रोकड़ दर १) सैकड़ा
(दर कल्पित)

५३०) जगन्नाथ महाजन के नाम
५००) मूल
३०) ब्याज १४ माह १२ दिन
दर ५)

५३०)

७२) ब्याज खाते जमा

१२) रोकड़ खुदाबख़्श

६०) रोकड़ बेङ्क

७२)

८५०॥=) जोड़

३०) ब्याज खाते नाम

३०) रोकड़

१२) खुदाबख़्श के नाम

१२) रोकड़ ब्याज २ साल दर ६)

६०) बैङ्क खाते नाम

६०) ब्याज ६ माह ४०००)

दर ।)

६९२) जोड़

१५८॥=) श्री रोकड़बाक़ी रही

८५०॥=)

(६) राजनारायण जगदीशनारायण लोहेवाले ने १।) की बाल्टी और ।) की कीलें बेचीं और ।=) के पेच मोतीचन्द के हाथ नक़द बेचे और ६ तसले दर ॥।) से गिरिधारीलाल के हाथ उधार बेचे और ४ अँगीठियाँ दर १॥) बैजनाथ के हाथ केवल २) लेकर बेचीं। ४) मज़दूर को मकान की मरम्मत के दिये। उस दिन जब उन्होंने दुकान बन्द की तब यदि उनके पास ४५=) थे तो बताओ कि पहले दिन जब उन्होंने दुकान बन्द की थी, तब उनके पास रोकड़ में क्या बाक़ी था ?

तारीख़ २७ जून सन् २७ ई० सोमवार (कल्पित)

जमा	नाम
४५।) श्री रोकड़ बाक़ी	४॥) गिरिधारीलाल के नाम
	४॥) तसला ६ दर ॥।)
१२।=) माल खाते जमा	६) बैजनाथ के नाम
४॥) तसला ६ दर ॥।)	६) अँगीठी ४ दर १॥)
६) अँगीठी ४ दर १॥)	
१।) बाल्टी १ दर १।)	
।) कील	४) मकान मरम्मत खाते नाम
।=) पेच	४) रोकड़
१२।=)	१४॥) जोड़
२) बैजनाथ के जमा	४५=) श्रीरोकड़ बाक़ी
२) रोकड़ हस्ते खुद	
५६॥=) जोड़	५६॥=)

(१०) एक जूतों के सौदागर के पास ज्येष्ठ सुदी ११ संवत् १९७९ विक्रमी के प्रातःकाल ६८॥=)। रोकड़ थी। उसने १॥) की दर से ४ जोड़ो हिन्दुस्तानी जूते रामदेव के हाथ बेचें। एक कानपुरी जूता ७॥) को कृष्णास्वरूप के हाथ उधार बेचा और २ जोड़ी सिलीपर २॥) प्रति जोड़ी की दर से सीताराम के हाथ केवल १) नक़द लेकर बेचे। उसके पास बूटहाउस आगरा से ६) प्रति जोड़े के हिसाब से १० जोड़े जूतों का पार्सल आया, जिसमें उसने केवल २५) नक़द दिये। अपनी दुकान के लिये एक दीवार की घड़ी २५) और अपने लिये ३) में ली। दूसरे दिन उसने बूट हाऊस आगरा को ३) जोड़े की दर के १० जोड़ी देसी जूतों का पार्सल उधार भेजा। एक जोड़ा जूता १०) में नक़द बेचा तो उसकी दो दिन की रोकड़ बनाओ और बूट-हाऊस आगरा की भी दो दिन की रोकड़ बनाओ।

रोकड़ गङ्गाधर सौदागर जूता (नाम कल्पित)

श्री शुभ मिती ज्येष्ठ सुदी ११ संवत् १९७९ वि०।

जमा	नाम
६८॥=)। श्री रोकड़ बाक़ी	७॥) कृष्णास्वरूप के नाम (खा० १२) ७॥) जोड़ाकानपुरी १ दर ७॥)
१८॥) माल खाते जमा (खा० ४२) ६) जोड़ा हि०४दर१॥) ७॥) जोड़ा कानपुरी १ दर ७॥) ५) सिलीपर २ दर २॥)	५) सीताराम के नाम (खा० ४०) ५) सिलीपर २ दर २॥)
	६०) माल खाते नाम (खा० ४२) ६०) बूटजोड़ा१०दर६)
१८॥)	२५) बूट हाऊस आगरा के नाम (खा० ४१) २५) रोकड़

१) सीताराम का जमा
(खा० ४२)
१) रोकड़ हस्ते खुद

६०) बूट हाऊस आगरा के जमा
(खा० ४१) ६०) जोड़ा १० दर ६)

१४८।=)। जोड़

२५) दुकान खाते नाम
(खा० ४३) २५) घड़ी दीवार की १ दर २५)

३) गङ्गाधर के नाम
(ख० १४) ३) घड़ी जेबी १ दर ३)
(नाम कल्पित)

१२५॥)

२२॥=)। श्री रोकड़ बाक़ी रही

१४८।=)।

रोकड़ गङ्गाधर सौदागर जूता (नाम कल्पित)
श्री शुभ मिती ज्येष्ठ सुदी १२ संवत् १९७९ विक्रमी

२२॥=)। श्री रोकड़ बाक़ी

४०) माल खाते जमा
(खा० ४२) १०) जूता जोड़ा १ दर १०)
३०) जोड़ा देसी १० दर ३)

४०)

६२॥=)। जोड़

३०) बूट हाऊस आगरा के नाम
(खा० ४१) ३०) जोड़ा देसी १०दर३)

३०) जोड़

३२॥=)। श्री रोकड़ बाक़ी रही

६२॥=)।

रोकड़ बूट-हाउस आगरा।
श्री शुभ मिती ज्येष्ठ सुदी ११ संवत् १९७९ विक्रमी।

जमा	नाम
५००) श्री रोकड़ बाक़ी (कल्पित)	६०) गङ्गाधर सौदागर टूँडला के नाम (खा० २०) ६०) बूट जोड़ा १० दर ६) भेजे पार्सल द्वारा
६०) माल खाते जमा (खा० ६०) ६०) बूट जोड़ा १० दर ६)	६०) जोड़
२५) गङ्गाधर सौदागर टूँडला के जमा (खा० २०) २५) रोकड़	५२५) श्री रोकड़ बाक़ी रही
५८५) जोड़	५८५)

रोकड़ बूट-हाउस आगरा।
श्री शुभ मिती ज्येष्ठ सुदी १२ संवत् १९७९ विक्रमी।

जमा	नाम
५२५) श्री रोकड़ बाक़ी	३०) माल खाते नाम (खा० ६०) ३०) देसी जोड़ा १० दर ३) पार्सल द्वारा
३०) गङ्गाधर सौ० टूँडला के जमा (खा० २०) ३०) देसी जोड़ा १० दर ३)	३०) जोड़
५५५) जोड़	५२५) श्री रोकड़ बाक़ी रही
	५५५) जोड़

नोट—पिछले रीति निकलवाने वाले उदाहरणों और हल किये हुए अभ्यासार्थ प्रश्नों में से प्रत्येक की आदि या अन्त की रोकड़ बाक़ी देकर दूसरी निकलवाई जावे, तो प्रत्येक प्रश्न रोकड़बही का प्रश्न हो सकता है।

(३) खाता बही।

(१) खाता बही बनाना (रोकड़ बही से)

उदाहरण १—लाला रूटरूमलजी के यहाँ आज तारीख़ २० जून सन् १९२७ ई० को ८५।≡) श्री रोकड़ बाक़ी है। उस दिन माधवप्रसाद को १०) नक़द लेकर ४ धोती जोड़ा दर ४) बेचे। पूरन कहार को मई की तनख़्वाह ८) नक़द दी, तो मटरूमलजी की रोकड़ बनाकर उससे खाते तैयार करो।

[रोकड़ पन्ना ८९]

श्री शुभ तारीख़ २० जून सन् २७ ई०

जमा	नाम
८५।≡) श्री रोकड़ बाक़ी	१६) माधवप्रसाद के नाम (खा० ५) १६) धोती जोड़ा ४ दर ४)
१०) माधवप्रसाद के जमा (खा० ५) १०) रोकड़ हस्ते खुद	८) पूरन कहार के नाम (खा० १) ८) रोकड़ तन० मई सन् २७
१६) माल खाते जमा (खा० १०) १६) धोती जोड़ा ४ दर ४)	८) तनख़्वाह खाते नाम (खा० ११) ८) रोकड़
८) पूरन कहार के जमा (खा० १) ८) रो० तन० मई सन् २७ ई०	३२) जोड़
	८७।≡) श्री रोकड़ बाक़ी रही
११९।≡) जोड़	११९।≡)

[पिछली रोकड़ से बने हुए खाते]

[खाता पन्ना १]

श्री खाता पूरन कहार का सन् १९२७ ई० का

जमा	नाम
८) रो० प० ८६ ता० २० जून	८) रो० प० ८६ ता० २० जून

[खाता पन्ना ५]

श्री खाता माधवप्रसादजी सन् १९२७ ई० का

जमा	नाम
१०) रो० प० ८६ ता० २० जून	१६) रो० प० ८६ ता० २० जून

[खाता पन्ना १०]

श्री माल खाता सन् १९२७ ई०।

जमा	नाम
१६) रो० प० ८६ ता० २० जून	१००) रो० प० ७० ता० १० जून (कल्पित)

[खाता पन्ना ११]

श्री तनख़्वाह खाता सन् १९२७ ई०

जमा	नाम
	८) रो० प० ८६ ता० २० जून

उदाहरण २—लाला पूरनचन्द, दयाराम के यहाँ आज मिती आषाढ़ बदी १५ बुधवार को प्रातःकाल १८७॥-) श्रीरोकड़ थे, उस दिन ठाकुर धर्मसिंह १॥) गेहूँ, दर ५) उधार लेगये। २५) गेहूँ, दर ४॥।=) लिये और उसी समय वही २५) गेहूँ दर ५) से बेच डाले। ज्योतीस्वरूप ब्याज १ माह दर २) सैकड़ा की ८) ब्याज के जमा कर गये तो पूरनचन्द दयाराम की रोकड़ बनाकर उससे खाते तय्यार करो।

[रोकड़ लाला पूरनचन्द दयाराम]

[पन्ना ६१]

श्री शुभमिती आषाढ़ बदी १५ बुधवार संवत् १६८४ विक्रमी।

जमा	नाम
१८७॥-) श्री रोकड़ बाक़ी	७॥) ठाकुर धर्मसिंह के नाम (खा० २७) ७॥) गेहूँ १॥) दर ५)
१३२॥) माल खाते जमा (खा० ४५) १३२॥) गेहूँ २६॥) दर ५)	१२१॥।=) माल खाते नाम (खा० ४६) १२१॥।=) गेहूँ २५) दर ४॥।=)
८) ज्योतीस्वरूप के जमा (खा०१७) ८) ब्याज ४००) एक मा० दर २)	८) ज्योतीस्वरूप के नाम (खा० १७) ८) ब्याज ४००) एक माह दर २)
८) ब्याज खाते जमा (खा० ४७) ८) रोकड़ हस्ते खुद	
	१३७=) जोड़
३३६-) जोड़	
	१६८॥=) श्री रोकड़ बाक़ी रही
	३३६-)

[पिछली रोकड़ से बने हुए खाते]

[खाता पन्ना १७]

श्री खाता ज्योतीस्वरूप जी संवत् १६८४ विक्रमी

जमा	नाम
८) रो० प० ६१ आषाढ़ बदी १५	४००) रो० प० ६१ ज्येष्ठ बदी १५
	८) रो० प० ६१ आषाढ़ बदी १५

[खाता पन्ना २७]

श्री खाता ठाकुर धर्मसिंह जी संवत् १६८४ विक्रमी

जमा	नाम
	७॥) रो० प० ६१ आषाढ़ बदी १५

[खाता पन्ना ४५]

श्री माल खाता संवत् १६८४ विक्रमी

जमा	नाम
१३२॥) रो० प० ६१ आषाढ़ बदी १५	१२१॥|=) रो० प० ६१ आषाढ़ बदी १५

[खाता पन्ना ४६]

श्री लाभ, हानि खाता संवत् १६८४ विक्रमी

जमा	नाम
३=) रो० प० ६१ आषाढ़ बदी १५	

[खाता पन्ना ४७]

श्री व्याज खाता संवत् १६८४ विक्रमी

जमा	नाम
८) रो० प० ६१ आषाढ़ बदी १५	

उदाहरण ३—लाला मानिकलाल के यहाँ तारीख़ २९ जून सन् २७ ई० के प्रातःकाल ५००) थैली में थे। उसी दिन १००) रोकड़ देकर लाला जवाहरलाल के यहां से १० तोले सोना दर २२) ख़रीदा ३००) के नोट ।) सैकड़ा बट्टा लेकर बेचे। जोड़ी २ करनफूल १० भर दर ॥।) से बेचे। करनफूल ५० भर दर)॥ बनवाई और बराबर की चांदी दर ॥=)॥ की देकर लिये। रात को)॥ की कमी पड़ी तो लाला मानिकलाल की रोकड़ बनाकर उससे खाते बनाओ।

[रोकड़ लाला मानिकलाल]

[पन्ना ९३]

श्री शुभ मिती २९ जून सन् १९२७ ई०

जमा	नाम
५००) श्री रोकड़ बाक़ी	१००) लाला जवाहरलाल के नाम (खा० १९) १००) रोकड़ हस्ते खुद
२२०) जवाहरलाल के जमा (खा० १९) २२०) सोना तोले १० दर २२)	२५४।=) माल खाते नाम (खा० ४४) २२०) सोना तो० १० दर २२) ३४।=) करनफूल ५० भर दर ॥=)
४०।-) माल खाते जमा (खा० ४४) ७॥ करनफूल १० भर दर ॥।) ३२॥-) चांदी ५० भर दर ॥=)॥	२५४।=)
४०।-)	)॥ बट्टे खाते नाम (खा० ५०)
	३५४।=)॥ जोड़

|||) कटौती खाते जमा (खा० ४६) |||) नोट ३००) की दर

७६१-) जोड़

४०६|||=)||| श्री रोकड़ बाकी रही

७६१-)

[पिछली रोकड़ से बने हुए खाते]

[खाता पन्ना १६]

श्री खाता लाला जवाहरलाल सन् १६२७ ई०

जमा	नाम
२२०) रो० प० ६३ ता० २६ जून	१००) रो० प० ६३ ता० २६ जून

[खाता पन्ना ४४]

श्री माल खाता सन् १६२७ ई०

जमा	नाम
४०।-) रो० प० ६३ ता० २६ जून	२५४।=) रो० प० ६३ ता० २६ जून

[खाता पन्ना ४६]

श्री कटौती खाता सन् १६२७ ई०

जमा	नाम
|||) रोकड़ पन्ना ६४ ता० २६ जून	

[खाता पन्ना ५०]

श्री बट्टा खाता सन् १६२७ ई०

जमा	नाम
	)||| रो० प० ६३ ता० २६ जून

रीति (१) जिस मनुष्य या जिस चीज़ या जिस मद्दे का खाता बनाना होता है, उसका नाम, पते, संवत् या साल सहित ऊपर लिखते हैं।

(२) रोकड़ बही में जमा की ओर ध्यान करके विचारना चाहिए कि किस किस आदमी की रक़में जमा है। उनमें से एक एक करके प्रत्येक के नाम के (अकारादि अक्षरों के विचार से) यथोचित स्थान छोड़ कर खाते डालते है और उनमें उनके नाम की रक़म जमा करके रोकड़ पन्ना और तारीख (तिथि) लिख देते हैं और उनकी रोकड़ में खाता पन्ना लिखते है।

(३) रोकड़ बही में नाम की ओर ध्यान करके विचारते हैं कि किस किस आदमी के नाम रक़में लिखी हैं। यदि यह उन आदमियों में से ही हैं जिनके नाम रक़में जमा भी लिखी है तो उनके पड़े हुए खाते में उनके नाम वही रक़में लिखकर रोकड़ पन्ना और तारीख़ (तिथि) लिखते हैं। यदि किसी नये आदमी का काम हो तो उसका खाता अलग उसी भांति डालकर उसमें वह रक़म नाम लिखकर रोकड़ पन्ना और तारीख़ (तिथि) लिखते हैँ। रोकड़ में खाता पन्ना लिखते हैं।

(४) इसी भांति रोकड़ बही में जिस जिस चीज़ और जिस जिस मद्दे की रक़में जमा और नाम हों, एक एक करके उक्त रीति से उनके खाते डालकर वह रक़में उनके खातों में जमा करो और नाम लिखो।

(५) यदि जितनी चीज़ें ख़रीदी गई हों वह उसी तारीख़ में सबकी सब बिक गई हों तो लाभ हानि का खाता डालकर यदि लाभ हुआ हो तो लाभ की रक़म को उस खाते में उक्त रीति से जमा करते हैं और हानि की दशा में नाम लिखते हैँ।

अभ्यासार्थ प्रश्न।

१—लाला मोतीलाल के यहां आज प्रातःकाल को ८२२) श्री रोकड़ बाक़ी थी। ५०) गेहूँ सूरजमल के ५) दर से बेचे जिसमें २॥)

आढ़त का मिला २०) जौं दर ३) ख़रीदे ५) किराया दुकान दिया तो मोतीलाल की रोकड़ बही बनाकर उससे खाते बनाओ।

२—लाला हरनारायण ने आज ५०) चावल दर ८) मन से ख़रीदे। बैङ्क से ५००) निकाल कर तोताराम को २) सैकड़ा मासिक पर उधार दिये। रात को ॥=) बढ़े तो हरनारायणजी की रोकड़ बनाकर उससे खाते बनाओ।

३—शेख़ ख़ुदाबख़्श ने तारीख़ ३० जून सन् १९२७ ई० को १५) नक़द लेकर मुहम्मदहुसैन को १० थान डोरिया दर ३) दिया। लाला नानकचन्द को १०) ब्याज में दिये। लाला केदारनाथ के यहाँ से १० धोती जोड़ा दर ४) मँगाकर उनको १२ थान डोरिया दर ३) भेजा और दस धोती जोड़ा उसी समय ४–) जोड़ा की दर से बेचे। रात को २२१॥=) श्रीरोकड़ बाक़ी बचे, तो शेख़ साहब की उस दिन की रोकड़ बनाकर उससे खाते बनाओ।

(२) बिना रोकड़ बही के किसी प्रश्न को सामने रख कर खाता बनाना।

उदाहरण १—लाला मोहनलाल के यहाँ मिती आषाढ़ सुदी २ संवत् १९८४ विक्रमी को प्रातःकाल ५८७।=) श्रीरोकड़ बाक़ी थे। लाला सोहनलाल के यहां से १००) रोकड़ देकर २० धोती जोड़ा दर ४) और २ थान मलमल दर ३५) ख़रीदे। चम्पाराम ५०) नक़द उधार ले गया। दौलतराम पटवारी १०) देकर ३ जोड़ा धोती दर ४–) लेगया, –) का शाक घर को भेजा तो मोहनलाल इसको अपने खाते में कैसे लिखेगा ?

[खाता पन्ना १६]

श्री खाता चम्पारामजी संवत् १९८४ विक्रमी

जमा	नाम
	५०) रो० प० ६६ आषाढ़ सुदी २

[खाता पन्ना २६]

श्री खाता दौलतराम पटवारी संवत् १६८४ विक्रमी

जमा	नाम
१०) रो० प० ६६ आषाढ़ सुदी २	१२≡) रो० प० ६६ आषाढ़ सुदी २

[खाता पन्ना ४०]

श्री खाता लाला सोहनलालजी संवत् १६८४ विक्रमी

जमा	नाम
१५०) रो० प० ६६ आषाढ़ सुदी २	१००) रो० प० ६६ आषाढ़ सुदी २

[खाता पन्ना ४६]

श्री माल खाता संवत् १६८४ वि०

जमा	नाम
१२≡) रो० प० ६६ आषाढ़ सुदी २	१५०) रो० पन्ना ६६ आषाढ़ सुदी २

[खाता पन्ना ५०]

श्री मकान खर्च खाता संवत् १६८४ विक्रमी

जमा	नाम
	-) रो० प० ६६ आषाढ़ सुदी २

उदाहरण २—लाला पन्नालालजी ने तारीख २५ जून सन् १६२७ ई० को २००) बैङ्क में जमा किये। दरबारीलाल कहार को ६) मई की तनख़्वाह दी। किशोरीलाल कारिन्दा २५) जमा कर गये। मोहनलाल को १० गज़ मलमल दर ||) बेची। रात को)॥ बढ़े तो लाला पन्नालाल जी इसको अपने रोज़नामचे में किस तरह लिखेंगे ?

[खाता पन्ना १२]

श्री खाता किशोरीलाल कारिन्दा सन् १९२७ ई०

जमा	नाम
२५) रो० प० ९८ ता० २५ जून	

[खाता पन्ना २७]

श्री खाता दरबारीलाल कहार सन् १९२७ ई०

जमा	नाम
६) रो० प० ९८ ता० २५ जून	६) रो० प० ९८ ता० २५ जून

[खाता पन्ना ५१]

श्री माल खाता सन् १९२७ ई०

जमा	नाम
५) रो० प० ९८ ता० २५ जून	

[खाता पन्ना ५२]

श्री तनख़्वाह खाता सन् १९२७ ई०

जमा	नाम
	६) रो० प० ९८ ता० २५ जून

[खाता पन्ना ५३]

श्री बैङ्क खाता सन् १९२७ ई०

जमा	नाम
	२००) रो० प० ९८ ता० २५ जून

[खाता पन्ना ५४]

श्री बट्टा (विधि घटती-बढ़ती) खाता सन् १९२७ ई०

जमा	नाम
) ॥ रो० प० ९८ ता० २५ जून	

उदाहरण ३—शेख़ इमामबख़्श ने लाला रामदेव के यहाँ से ५) रोकड़ देकर तारीख़ ८ जून सन् २७ ई० को ६ रूमाल दर ।=) और ४ गज़ मलमल दर ॥) और धोती १ दर २॥) ख़रीदी और तारीख़ १० जून सन् २७ ई० को १ थान डोरिया दर ३।) लेकर ४) रोकड़ दिये। पण्डित तोतारामजी ने लालाजी की दुकान से तारीख़ १० जून सन् २७ ई० को २ धोती जोड़ा दर ४) मलमल गज़ ५ दर ॥) उधार ली। तारीख़ १४ जौलाई सन् २७ ई० को १० गज़ लट्ठा दर ।≡)॥ उधार लिया और २० जौलाई सन् २७ ई० को १५) नक़द देकर १ थान डोरिया दर ३।) लिया तो इसको लाला रामदेव के खाते में लिखो।

[खाता पन्ना ३]

श्री खाता शेख़ इमामबख़्शजी सन् १९२७ ई०

जमा	नाम
५) रो० प० १०० ता० ८ जून	६॥।) रो० प० १०० ता० ८ जून
४) रो० प० १०२ ता० १० जून	३।) रो० प० १०२ ता० १० जून

[खाता पन्ना २३]

श्री खाता पण्डित तोतारामजी सन् १९२७ ई०

जमा	नाम
१५) रो० प० १४३ ता० २० जौलाई	१०॥) रो० प० १०२ ता० १० जून
	४॥≡) रो० प० १३७ ता० १४ जौ०
	३।) रो० प० १४३ ता० २० जौ०

[खाता पन्ना ५०]

श्री माल खाता सन् १९२७ ई०

जमा	नाम
६॥।) रो० प० १०० ता० ८ जून	२५०) रो० प० ९८ ता० ६ जून (कल्पित)
१३॥।) रो० प० १०२ ता० १० जून	
४॥≡) रो० प० १३७ ता० १४ जौलाई	
३।) रो० प० १४३ ता० २० जौलाई	

रीति—१—जिस मनुष्य या जिस चीज़ या जिस मद का खाता डालना हो सबसे पहले उसका नाम पते बार संवत् या सन् सहित लिखते हैं।

२—जमा और नाम के कोष्ठों की सीमा पर एक एक पड़ी लकीर खींच देते हैं।

३—प्रश्न को पढ़ कर विचार करते हैं कि नक़द लैन-दैन वाले आदमियों को छोड़कर कौन कौन आदमियों से लैन-दैन हुआ है? उन सब के एक एक करके अकारादि के क्रम से मुनासिब जगह छोड़ छोड़कर खाते डालते हैं।

४—फिर प्रत्येक की बाबत विचार करते है कि इसने किस किस तारीख़ में कितने का माल लिया और क्या दिया? इसके यहां से किस किस तारीख़ में कितने कितने का माल आया और किस किस तारीख़ में हमारे यहां से कितना कितना रुपया अथवा कितने कितने रुपये का माल उसके यहाँ गया।

५—जितने का माल (जितना रुपया) हम किसी को देते हैं, वह उसके नाम रोकड़ पन्ना और तारीख़ (तिथि) सहित लिखते हैं और

जितने का माल (जितना रुपया) किसी का हमारे पास आता है, उसको उसके नाम जमा रोकड़ पन्ना और तारीख़ (तिथि) सहित करते हैं।

६—जितने का माल नक़द और उधार किसी तारीख़ में बिकता है, उसको माल खाता डाल कर उसमें जमा करके पेटे में रोकड़ पन्ना और तारीख़ (तिथि) लिख देते हैं। जितने का माल किसी तारीख़ में नक़द और उधार ख़रीदा जाता है, वह रक़म माल खाते में नाम लिखकर पेटे में रोकड़ पन्ना और तारीख़ (तिथि) लिख देते हैं।

७—यदि माल खाते में माल बिकता ही रहा हो ख़रीदा न गया हो, तो ख़रीद किसी पहली तारीख़ में (कल्पित) दिखा देते हैं।

८—शेष मदों के खाते भी इसी प्रकार लिखते हैं।

९—ब्याज खाते में यदि मूल न दिया हो तो ब्याज के अनुसार कल्पना करके समय के अनुसार पीछे तारीख़ में लिख देते है।

अभ्यास के प्रश्न।

१—लाला मोतीलाल के यहाँ से पंडित रूपकिशोर ने तारीख़ ५ जून सन् २७ को ।ऽ गेहूँ दर ५) मन और तारीख़ ८ जून सन् २७ ई० को ।ऽ६ जौ दर २॥) मन और तारीख़ १० जून सन् २७ ई० को ॥ऽ चना दर ४) लेकर ४) नक़द दिये तो इसको मोतीलालजी के खातेबही में लिखो।

२—नन्दराम के यहाँ से मक्खनलाल जी ने १००) नक़द देकर तारीख़ ६ जून सन् २७ ई० को ८ तोला सोना दर २२) मँगाया तो इसको नन्दराम और मक्खनलाल के खातों में किस किस भांति लिखोगे ?

३—लाला कन्हैयालाल के यहां से १ जून सन् १९२७ ई० को १) नक़द देकर लाला पूरनमल ने ४ रूमाल दर ।–) ख़रीदे। तारीख़ २ जून सन् २७ ई० को दौलत के यहाँ से २० धोती जोड़ा दर ४।) उधार आये। तारीख़ ३ जून को १०) ब्याज के ख़्यालीराम नक़द देगया तो इसको कन्हैयालाल जी के खातेबही में कैसे लिखोगे ?

(३) साल के प्रारम्भ में एक खाते से दूसरे खाते का बदलना।

उदाहरण १—लाला श्यामलाल ने ३० दिसम्बर सन् २६ ई० को ४० धोती जोड़ा दर ३॥।=) मँगाये और लाला श्यामलाल के यहां से १०) रोकड़ देकर मूलचन्द पटवारी ४ धोती जोड़ा दर ४) तारीख ३१ दिसम्बर सन् २६ ई० को लेगया, तो लाला श्यामलाल अपने खाते में इसे कैसे लिखेंगे? और १ जनवरी सन् १९२७ ई० को खाता किस प्रकार बदलेंगे?

खाता बही लाला श्यामलाल बज़ाज़ सन् १९२६ ई०।

[खाता पन्ना ३३]

श्री खाता मूलचन्द पटवारी साल सन् १९२६ ई०।

जमा	नाम
१०) रो० प० १०३ ता० ३१ दिसम्बर	१६) रो० प० १०३ ता० ३१ दिस०
६) बाक़ी गई खाता सन् २७ ई० प० ३२	१६)
१६)	

[खाता पन्ना ४५]

श्री माल खाता सन् १९२६ ई०

जमा	नाम
१६) रो० प० १०३ ता० ३१ दिस०	१५५) रो० प० १०३ ता० ३१ दिस०
१३९) बाक़ी गई खाता सन् २७ ई० प० ४४	१५५)
१५५)	

खाता बही लाला श्यामलाल बज़ाज़ सन् १९२७ ई० ।

[खाता पन्ना ३२]

श्री खाता मूलचन्द पटवारी सन् १९२७ ई०

जमा	नाम
	६) बाक़ी आई खाता सन् २६ ई० पन्ना ३३

[खाता पन्ना ४४]

श्री माल खाता साल सन् २७ ई०

जमा	नाम
	१३६) बाक़ी आई खाता सन् २६ ई० पन्ना ४५

उदाहरण २—लाला गोपीनाथ ने १० तोले सोना दर २२।) मिती चैत बदी १४ संवत् १९८३ को लिया। उसी मिती को १ तोले सोना दर २२॥) बेचा, मिती चैत बदी १५ संवत् १९८३ को २ तोले सोना रामनारायनलाल डाक्टर को ३०) नक़द लेकर २२॥) के दर से दिया। इसी मिती को करनसिंह चपरासी को ६ माशे सोना दर २२॥) उधार बेचा तो लाला गोपीनाथ का संवत् ८३ का खाता बनाकर संवत् १९८४ के खाते में बदलो।

खाता बही लाला गोपीनाथ सर्राफ़ संवत् १९८३ वि०

[खाता पन्ना १२]

श्री खाता करनसिंह चपरासी संवत् १९८३ विक्रमी

जमा	नाम
११।) बाक़ी गई खाता सं० ८४ प० २४	११।) रो० प० १०४ मिती चैत्र बदी १५
११।)	११।)

[खाता पन्ना ३५]

श्री खाता रामनारायनलालजी डाक्टर संवत् १९८३ वि०

जमा	नाम
३०) रो०प० १०४ मि० चैत्रबदी १५	४५) रो० प० १०४ मि० चैत्रबदी १५
१५) बाक़ी गई खाता सं० ८४ प० ३७	४५)
४५)	

[खाता पन्ना ४५]

श्री माल खाता संवत् १९८३ विक्रमी

जमा	नाम
२२॥) रो० प० १०४ मिती चेत्र बदी १४	२२२॥) रो० प० १०४ मि० चैत्र बदी १४
५६।) रो० प० १०४ मिती चैत्रबदी १५	२२२॥)
१४३॥।) बाक़ी गई खाता ८४ प० ४७	
२२२॥)	

खाता बही लाला गोपीनाथ सर्राफ़ संवत् १९८४ विक्रमी

जमा	नाम
	११।) बाक़ी आई खाता सं० ८३ प० १२

[खाता पन्ना ३७]

श्री खाता रामनारायनलालजी डाक्टर संवत् १६८४ विक्रमी

जमा	नाम
	१५) बाक़ी आई खाता सं० ८३ प० ३५

[खाता पन्ना ४७]

श्री माल खाता संवत् १६८४ विक्रमी

जमा	नाम
	१४३॥) बाक़ी आई खाता सं० ८३ प० ४५

रीति—(१) जिस खाते को बदलना होता है उसके जमा और नाम की रक़मों को जोड़कर इस तरह लिखते हैं कि जमावाली रक़मों का जोड़ अन्त की रक़म के नीचे पड़ी रेखा खींच कर पेटे के पहले ख़ाने मे और नामवाली रक़मों का जोड़ अन्त की रक़म के नीचे पड़ी रेखा खींचकर पेटे के पहले ख़ाने में लिखते हैं।

(२) दोनों जोड़ों की बाक़ी को उस तरफ के सिरे में लिखते हैं जिससे दोनों तरफ़ बराबर बराबर रक़म हो जावे फिर पेटे में "बाक़ी गई नये खाते साल अमुक पन्ना अमुक" लिख देते हैं।

(३) फिर नये खाते के उसी पन्ने में उसी का खाता डाल कर उस बाक़ी को पुराने खाते की विपरीत ओर के सिरे में लिखकर पेटे में "बाक़ी आई पुराने खाते साल अमुक पन्ना अमुक" लिख देते हैं। [पुराने खाते की साल और पन्ना नये खाते में और नये खाते की साल और पन्ना पुराने खाते में लिखते हैं।]

अभ्यासार्थ प्रश्न।

१—आज ३१ दिसम्बर सन् २५ ई० को लाला तोताराम ने १००) नक़द देकर ४०) गेहूँ दर ५) मन लाला श्यामलाल के यहाँ से ख़रीदा। दौलतराम को ५०) नक़द क़र्ज़ दिये तो लाला तोताराम के सन् २५ ई० के खाते में इसे लिखकर सन् २६ ई० के खाते में बदलो।

२—मनोहरलाल ने लाला अनोखेलालजी से तारीख़ २५ दिसम्बर सन् २६ ई० को १००) नक़द क़र्ज़ लिये और ठाकुर शेरसिंह ने १२५) तारीख़ ३० दिसम्बर सन् २६ ई० को क़र्ज़ लिये, तो इसको लाला अनोखेलाल के खाते में लिखकर उनके सन् २७ ई० के खाते में बदलो।

३—लाला ज्ञानीराम के यहाँ से पूरनचन्द पटवारी ४ माह हुए कि २००) नक़द क़र्ज़ लेगया था। २) सैंकड़ा मासिक ब्याज से आज ३१ दिसम्बर सन् २६ ई० को ब्याज समेत कुल हिसाब चुकता कर गया, तो दोनों महाशयों के खातों में इसे लिखकर यदि होसके तो सन् २७ ई० के खातों में बदलो।

अभ्यासार्थ प्रश्न।

(१) लाला शौक़ीराम के यहां आज १ जौलाई सन् २७ ई० को ८१०) रोकड़ बाक़ी थी। ११०) नक़द देकर लाला पन्नालाल के यहाँ से ८ तोले सोना दर २२) मँगाया। उसी तारीख़ को १ तोले सोना दर २२॥) बिका और फूलसिंह ठाकुर १ जोड़ी कड़े चांदी के १०० भर के बदले ५०) नक़द क़र्ज़ लेगये; तो शौक़ीराम की रोकड़ और खाताबही में इसे लिखो।

रोकड़ बही लाला शौक़ीराम सर्राफ़।

श्री शुभ मिती १ जौलाई सन् २७ ई० शुक्रवार।

जमा	नाम
८१०) श्री रोकड़ बाक़ी	११०) लाला पन्नालाल के नाम (खा० ३०) ११०) रोकड़ ह० खुद
१७६) ला० पन्नालाल के जमा (खा० ३०) १७६) सोना तोले ८ दर २२)	१७६) माल खाते नाम (खा० ५०) १७६) सोना तोले ८ दर २२)
२२॥) माल खाते जमा (खा० ५०) २२॥) सोना तो० १ दर २२॥)	५०) ठा० फूलसिंह के नाम (खा० ३१) ५०) कड़े जोड़ी एक १०० भर
१००८॥) जोड़	३३६) जोड़
	६७२॥) श्री रोकड़ बाक़ी रही
	१००८॥)

खाता बही लाला शौक़ीराम सर्राफ़ सन् २७ ई०

[खाता पन्ना ३०]

श्री खाता लाला पन्नालालजी सन् १९२७ ई०

जमा	नाम
१७६) रोकड़ पन्ना १२० ता० १ जौलाई	११०) रोकड़ पन्ना १३० ता० १ जौलाई

[खाता पन्ना ३१]

श्री खाता ठाकुर फूलसिंह सन् १६२७ ई०

जमा —————— नाम ——————

५०) रो० पन्ना १३१ ता० १ जौ०

[खाता पन्ना ५०]

श्री माल खाता सन् १६२७ ई०।

जमा —————— नाम ——————

२२॥) रो० प० १३१ ता० १ जौलाई १७६) रो० प० १३० ता० १ जौ०

(२) लाला मुंशीलाल ने ३ जून सन् २६ ई० को पण्डित ख़ैरातीलाल के यहां से १) नक़द, ८ जून सन् २६ ई० को ४।=)॥ की किताबें, १७ जौलाई को २॥) काग़ज़, क़लम, पेंसिल, ६ सितम्बर सन् २६ ई० को ५॥)॥ ड्राइङ्ग की कापियां मोल लीं। ६ जौलाई सन् २६ ई० को १०) नक़द दिये। पण्डित ख़ैरातीलाल की दुकान पर ला० मुंशीलाल का खाता बनाओ।

खाताबही पण्डित ख़ैरातीलाल सन् १६२६ ई०

[खाता पन्ना ३३]

श्री खाता लाला मुंशीलाल सन् १६२६ ई०

जमा —————— नाम ——————

१०) रो० प० ७५ ता० ६ जौलाई १) रो० प० ५६ ता० ३ जून

४।=)॥ रो० प० ६३ ता० ८ जून

२॥) रो० प० ८० ता० १७ जौलाई

५॥)॥ रो० प० १०८ ता० ६ सि०

(३) मिती चैत बदी १२ संवत १६८३ विक्रमी को लाला दौलतराम ने १०० भर चांदी दर ॥–) ली। दानसहाय पटवारी २०) रोकड़ क़र्ज़ लेगया। मिती चैत बदी १३ संवत् ८३ को २० भर चांदी दर ॥–)॥। रूपकिशोर को १०) नक़द लेकर बेची, तो इसे दौलतराम के खाते में लिखकर उनके संवत् ८४ के खाते में बदलो।

खाता बही लाला दौलतराम संवत् १६८३ वि०।

[खाता पन्ना २६]

श्री खाता दानसहाय पटवारी संवत् १६८३ वि०

जमा	नाम
२०) बाक़ी गई खा० सं० ८४ प० २५	२०) रो० प० ११० मि० चैतबदी १२
२०)	२०)

[खाता पन्ना ३५]

श्री खाता रूपकिशोरजो संवत् १६८३ वि०

जमा	नाम
१०) रो० प० ११० मि० चैतबदी १३	१२≡) रो० प० ११० मि० चैतबदी १३
२≡) बाक़ी गई खा० सं० ८४ प० ३४	१२≡)
१२≡)	

[खाता पन्ना ५०]

श्री माल खाता संवत् १९८३ वि०

मा	नाम
२≡) रो० प० ११० मि० चैतवदी१३	५६।) रो०प० ११० मि० चैतबदी१२
====	====
४४-) बाक़ी गई खा० नं० ८४ पन्ना ४६	५६।)
====	====
५६।)	
====	

खाता वही लाला दौलतराम संवत् १९८४ वि०

[खाता पन्ना २५]

श्री खाता दानसहाय पटवारी संवत् १९८४ विक्रमी

जमा	नाम
	२०) बाक़ी आई खा० संवत् ८३ पन्ना २६
	====

[खाता पन्ना ३४]

श्री खाता रूपकिशोर जी संवत् १९८४ विक्रमी

जमा	नाम
	२≡) बाक़ी आई खा० सं० ८३ पन्ना ३५
	====

[खाता पन्ना ४६]

श्री माल खाता संवत् १६८४ विक्रमी

जमा —————————— नाम ——————————

४४-) बाक़ी आई खा० स० ८३
पन्ना ५०

(४) २२ अभ्यासार्थ प्रश्न के प्रश्न नम्बर (७) सफ़ा १०५ में सूरजमल चांदमल का खाता बनाओ।

खाताबही सूरजमल चांदमल संवत् १६७६ विक्रमी

[खाता पन्ना १२]

श्री खाता कामतानाथजी

जमा —————————— नाम ——————————

१००) रोकड़ प० १०५ मि० फागुन सुदी ४

[खाता पन्ना ३८]

श्री खाता शिवशङ्करजी

जमा —————————— नाम ——————————

२५) रो० प० १०५ मि० फागुनसुदी४

[खाता पन्ना ५०]

श्री खाता वेस्ट ऐगड कम्पनी

जमा	नाम
५००) रो० प० १०५ फागुन सुदी ४	५०) रो० प० १०५ फागुन सुदी४

[खाता पन्ना ५१]

श्री माल खाता

जमा	नाम
४५) रो० प० १०५ फागुन सुदी ४	५००) रो० प० १०५ फागुन सुदी ४

[खाता पन्ना ५२]

श्री दुकान खर्च खाता

जमा	नाम
	४॥) रो० प० १०५ फागुन सुदी ४

(५) २२ अभ्यासार्थ प्रश्न के प्रश्न नम्बर १० सफ़ा १०८ में सौदागर और बूट हाऊस आगरा के खाते बनाओ—

खाता बही गङ्गाधर सौदागर जूते वाला संवत् १६७६ विक्रमी

[खाता पन्ना १२]

श्री खाता कृष्णस्वरूप जी

जमा	नाम
	७॥) रो० प० १०६ ज्येष्ठ सुदी ११

[खाता पन्ना १४]

श्री खाता गङ्गाधर सौदागर

जमा	नाम
	३) रो० प० ११० ज्येष्ठ सुदी ११

[खाता पन्ना ४०]

श्री खाता सीताराम जी

जमा	नाम
१) रोकड़ पन्ना १०६ ज्येष्ठ सुदी ११	५) रो० प० ८६ ज्येष्ठ सुदी ११

[खाता पन्ना ४१]

श्री खाता बूट हाउस आगरा

जमा	नाम
६०) रो० प० ११० ज्येष्ठ सुदी ११	२५) रो० प० १०६ ज्येष्ठ सुदी ११
	३०) रो० प० ११० ज्येष्ठ सुदी १२

[खाता पन्ना ४२]

श्री माल खाता

जमा	नाम
१८॥।) रो० प० १०६ ज्येष्ठसुदी ११	६०) रो० प० १०६ ज्येष्ठ सुदी ११
४०) रो० प० ११० ज्येष्ठ सुदी १२	

[खाता पन्ना ४३]

श्री दुकान ख़र्च खाता

जमा	नाम
	२५) रो० प० ११० ज्येष्ठ सुदी ११

खाता बही बूट हाउस आगरा संवत् १९७९ विक्रमी

[खाता पन्ना २०]

श्री खाता गङ्गाधर सौदागर टूँडला

जमा	नाम
२५) रो० प० ८८ ज्येष्ठ सुदी ११	६०) रो० पं० ८८ ज्येष्ठ सुदी ११
३०) रो० पं० ८८ ज्येष्ठ सुदी १२	

[खाता पन्ना ६०]

श्री माल खाता

जमा	नाम
६०) रो० प० १११ ज्येष्ठ सुदी १२	५००) रो० प० १० ज्येष्ठ बदी १ (कल्पित)
	३०) रो० प० १११ ज्येष्ठ सुदी १२

नोट (१) इसी भाँति अन्य अभ्यासार्थ प्रश्नों के खाते बनवाना चाहिए ।

(२) लेन-देन की अधिकता व न्यूनता के अनुसार खाता डाल कर जगह छोड़नी चाहिए ।

(३) प्रायः प्रत्येक साल के आरम्भ में बहियां बदल दी जाती हैं। हाँ ! कोई अङ्गरेज़ी साल के आरम्भ में बदलता है और कोई संवत् विक्रमी के प्रारम्भ में ।

(४) जो रक़म रोकड़बही की खाते में लिख दी जाती है तो उसके नीचे ० या ˎ भूल न पड़ने के कारण चिह्न कर देते हैं ।

(५) खाताबही के आरम्भ में खाता ढूँढने की सरलता के कारण अकारादि के क्रम से नामों की एक सूची लिखी होती है ।

(५) अन्यान्य परीक्षाओं के प्रश्न।

(१) वर्नाक्यूलर फ़ाइनल परीक्षा के प्रश्न।

(१) सन् १९२२ ई०।

मीरगुलाम रज़ा नामी लखनऊ के एक व्यापारी ने ५ जनवरी सन् २२ ई० को जेठमल मारवाड़ी की दुकान से ५०) रुई दर ३४) प्रति मन से मोल ली और ५००) उनको दिये। जेठमल जी ने ३०) चावल उन्हीं मीरसाहब की दुकान से १३) फ़ी मन के हिसाब से १० जनवरी सन् २२ ई० को अपने व्यय के लिए मँगाये, ५०) रुई मीर साहब की दुकान पर ३ सप्ताह में २०००) की बिकी। इन सब रक़मों को मीर गुलाम रज़ा के खाते में कैसे चढ़ाओगे?

खाता बही मीर गुलाम रज़ा सन् १९२२ ई०

[खाता पन्ना १८]

श्री खाता भाई जेठमल मारवाड़ी

जमा	नाम
१७००) रो० प० ५ ता० ५ जनवरी	५००) रो० प० ५ ता० ५ जनवरी
	३९०) रो० प० १० ता० १० जनवरी

[खाता पन्ना ३०]

श्री खाता चावल सन् १९२२ ई०

जमा	नाम
३९०) रो०प० १० ता० १० जनवरी	५००) रो० प० १ ता० १ जनवरी (कल्पित)

[खाता पन्ना ५०]

श्री खाता रुई सन् १६२२ ई०

जमा	नाम
२०००) रो० प० २७ ता० २७ जनवरी	१७००) रो० प० ५ ता० ५ जनवरी

[खाता पन्ना ५२]

श्री खाता लाभ हानि सन् १६२२ ई०

जमा	नाम
३००) रो० प० २७ ता० २७ जनवरी	

(२) सन् १६२३ ई०

१५ फर्वरी सन् १६२३ ई० को रामलाल बज़ाज़ ने जब दुकान खोली तो उसके पास ३५०॥) थे। उस दिन उसने १२० गज़ मलमल दर ॥) प्रति गज़ से ख़रीदी, दो जोड़ा धोती दर ४)॥ के हिसाब से बेचे, ३ गज़ गबरून ।–) गज़ से उधार बेची, नौकर को ५) पेशगी तनख़्वा में दिये गये, ।||=) इक्के का किराया दिया गया तो रामलाल बज़ाज़ अपने रोज़नामचे में किस तरह लिखेगा ?

रोज़नामचा लाला रामलाल बज़ाज़

श्री शुभ मिती १५ फ़र्वरी सन् १९२३ ई०

जमा	नाम
३५०॥) श्री रोकड़ बाक़ी	६०) माल खाते नाम ६०) मलमल गज़ १२० दर ।।)
८॥।≡) माल खाते जमा ८) धोती जोड़ा २ दर ४) ॥।≡) गबरून ३ गज़ दर ।–)	॥।≡) मोहनलाल के नाम ॥।≡) गबरून गज़ ३ दर ।–) (नाम कल्पित)
८॥।≡)	५) घूरेलाल कहार के नाम ५) रो० ह० खुद तनख़्वाह पेशगी फ़र्वरी सन् १९२३ ई० (नाम कल्पित)
३५९।≡) जोड़	॥।≡) ख़र्च खाते नाम ॥।≡) किराया इक्का रो०
	६६॥।–) जोड़
	२९२॥≡) श्री रोकड़ बाक़ी रही
	३५९।≡)

(३) सन् १९२४ ई०

शेख़ ख़ुदाबख़्श बरेली के एक व्यापारी ने ४००) चावल २ फ़र्वरी सन् २४ ई० को १०) मन के भाव से रामजीलाल मारवाड़ी से ख़रीदे। ३ नोट हज़ार-हज़ार रुपये के उनको दिये, फिर शेख़जी ने उसी दिन

५००) की चाँदी नक़द बेची २०ऽ गेहूँ लाला रमाशङ्कर सर्राफ़ के हाथ दर ५) मन से उधार बेचे १००) ब्याज के लाला बेनीप्रसाद को दिये इन सब को शेख़ साहब के रोज़नामचे में किस तरह लिखोगे।

रोज़नामचा शेख़ खुदाबख़्श साहब बरेली।

श्री शुभ मिती २ फ़र्वरी सन् १९२४ ई०

जमा	नाम
५०००) श्री रोकड़ बाक़ी (कल्पित)	३०००) रामजीलाल मारवाड़ी के नाम
	३०००) नोट तीन, १०००) हज़ार रुपये के
४०००) रामजीलाल मारवाड़ी के जमा	
४०००) चा० ४००ऽ दर १०)	
	४०००) माल खाते नाम
	४०००) चावल ४००ऽ दर १०)
६००) माल खाते जमा	
५००) चांदी	१००) ला० रमाशङ्कर सर्राफ़ के नाम
१००) गेहूँ २०ऽ दर ५)	१००) गेहूँ २०ऽ दर ५)
६००)	१००) ला० बेनीप्रसाद के नाम
	१००) रो० ह० खुद मध्ये ब्याज
१००) लाला बेनीप्रसाद के जमा	
१००) मध्ये ब्याज	१००) ब्याज खाते नाम
	१००) रोकड़
९७००) जोड़	
	७३००) जोड़
	२४००) श्री रोकड़ बाक़ी रही
	९७००)

(४) सन् १९२५ ई०

कृष्णानन्द ने एक दुकान मिती पूस बदी १ संवत् १९६६ विक्रमी को १५००) लगाकर खोली। उस दिन २ गाँठ धोती जोड़ा दर ७५) फ़ी गांठ से राधेमोहन की दुकान से, ४० थान मारकीन दर ३०) थान से श्रीराम के यहां से मगाये। ९०) की नक़द बिक्री हुई; ३६०) की मारकीन मदारीलाल लेगया और ६०) नक़द देगया। उस दिन का हिसाब कृष्णानन्द के रोज़नामचे और खाते में कैसे दर्ज करोगे?

रोज़नामचा लाला कृष्णानन्द जी

श्री शुभ मिती पूस बदी १ संवत् १९६६ विक्रमी

जमा	नाम
१५००) कृष्णानन्द के जमा रोकड़ी (खा० १)	१३५०) माल खाते नाम (खा० ५०) १५०) धोती गाँठ २ दर ७५)
६०) मदारीलाल के जमा (खा० ३३) ६०) रो० ह० खुद	१२००) मारकीन थान ४० दर ३०)
	१३५०)
३६०) माल खाते जमा (खा० ५०) ३६०) मारकीन	३६०) मदारीलाल के नाम (खा० ३३) ३६०) मारकीन
९०) बिक्री खाते जमा (खा० ५१) ९०) रोकड़	१७१०) जोड़
	३००) श्री रोकड़ बाक़ी रही
२०१०) जोड़	२०१०)

खाता वही लाला कृष्णानन्द जी संवत् १६७६ विक्रमी

[खाता पन्ना १]

श्री खाता कृष्णानन्द संवत् १६६६ विक्रमी

जमा ——— नाम ———

१५००) रो० प० १४२ पूस वदी १

[खाता पन्ना ३३]

श्री खाता मदारीलाल जी संवत् १६७६ विक्रमी

जमा ——— नाम ———

६०) रो० प० १४२ पूस वदी १   ३६०) रो० प० १४२ पूस वदी १

[खाता पन्ना ५०]

श्री माल खाता संवत् १६६६ विक्रमी

जमा ——— नाम ———

३६०) रो० प० १४२ पूस वदी १   १३५०) रो० प० १४२ पूस वदी १

[खाता पन्ना ५१]

श्री बिक्री खाता संवत् १६६६ विक्रमी

जमा ——— नाम ———

६०) रो० प० १५२ पूस वदी १

(५) सन् १६२६ ई०

एक दुकान में १७ फ़र्वरी सन् १६२६ ई० को ५२१॥=) श्री रो० बाक़ी थे। उस दिन २०) गेहूँ दर ६।=) मन फूलचन्द के यहां से मँगाये और १००) उनको भेजे, २७) चना दर ४=) और ५) चावल दर १०) मन दुराबशाह को भेजे और ६) बाजरा दर ५) मन उससे लेलिया डाकख़ाने से ३००) निकाल कर मुरलीलाल को १०) प्रति सैकड़ा वार्षिक पर उधार दिये इसको पक्की रोकड़ में लिखो।

पक्की रोकड़ बही

श्री शुभ मिती १७ फ़र्वरी सन् १९२६ ई०

जमा	नाम
५२१॥≡) श्री रोकड़ बाक़ी	१००) फूलचन्द के नाम
	१००) रोकड़ हस्ते खुद
१८७॥) फूलचन्द के जमा	
१८७॥) गेहूँ २०ऽ दर ९।≈)	२१७॥) माल खाते नाम
	१८७॥) गेहूँ २०ऽ दर ९।≈)
१६४।–) माल खाते जमा	३०) बाजरा ६ऽ दर ५)
११३–) चना २७ऽ दर ४≡)	
५१।) चावल ५ऽ दर १०।)	२१७॥)
१६४।–)	१६४।–) दुराबशाह के नाम
	११३–) चना २७ऽ दर ४≡)
३०) दुराबशाह के जमा	५१।) चावल ५ऽ दर १०।)
३०) बाजरा ६ऽ दर ५)	१६४।–)
३००) डाकख़ाना खाता जमा	३००) मुत्सद्दीलाल के नाम
३००) रो० ह० खुद	३००) रो० ब्याज १०) प्र०सै०
१२०३॥) जोड़	७८१॥।–) जोड़
	४२१॥≡) श्री रोकड़ बाक़ी रही
	१२०३॥)

(९) सन् १९२७ ई०

सेठ फूलचन्द ने मिती पूस वदी ५ संवत् १९८१ को ३०ऽ चना दर ४=) मन ४०ऽ चावल ७=) मन की दर से गजाधर अनाज वाले से उधार मंगाये, १०ऽ चीनी दर १९॥) मन नक़द मँगाई। अन्तू आढ़तिये के यहाँ से १२०ऽ गेहूँ दर ८) मन से ख़रीदे, १।-) किराया ॥=) आढ़त =) रामलीला के लगे, जिस में से ३००) नक़द दिये गये, शाम को ४४२॥) नक़द बाक़ी बचे। बताओ उस दिन पहले श्रीरोकड़ बाक़ी क्या थी। रोकड़ वही का नमूना लिख, विधि मिलाओ।

नमूना रोकड़ वही सेठ फूलचन्द जी

श्री शुभ मिती पूस सुदी ५ संवत् १९८१ विक्रमी

जमा	नाम
९३७॥) श्री रोकड़ बाक़ी	१५६५॥।-) माल खाते नाम
	१२३॥।) चना ३०ऽ दर ४=)
४०८॥।) गजाधर अनाज वाले के जमा	२८५) चावल ४०ऽ दर ७=)
१२३॥।) चना ३०ऽ दर ४=)	१९५) चीनी १०ऽ दर १९॥)
२८५) चावल ४०ऽ दर ७=)	९६२-) गेहूँ १२०ऽ दर ८)
	१।-) किराया
४०८॥।)	॥=) आढ़त
	=) रामलीला
९६२-) अन्तू आढ़तिये के जमा	
९६०) गेहूँ १२०ऽ दर ८)	१५६५॥।-)
१।-) किराया	
॥=) आढ़त	३००) अन्तू आढ़तिये के नाम
=) रामलीला	३००) रोकड़ हस्ते खुद
९६२-)	१८६५॥।-) जोड़
२३०८।-) जोड़	४४२॥) श्री रोकड़ बाक़ी रही
	२३०८।-)

(२) वर्नाक्यूलर टीचर्स सार्टीफ़िकेट परीक्षा के प्रश्न।

(१) सन् १९१८ ई०

एक मनुष्य की दुकान पर २००) का माल नक़द बिका, ८०।) का माल हरिशंकर उधार लेगया, ३००) का कपड़ा नारायणदास बज़ाज़ के यहाँ से उधार आया, ५००॥।) का रेशम नक़द ख़रीदा गया तो इन रक़मों को पक्की रोकड़बही और खातेबही में किस प्रकार दर्ज करोगे ?

पक्की रोकड़ बही

श्री शुभ मिती १ फ़रवरी सन् १९१८ ई० (कल्पित)

जमा	नाम
१०००) श्री रोकड़ बाकी रही	८०।) हरिशङ्कर के नाम (खा० ४१) ८०।) माल
२८०।) माल खाते जमा २००) नक़द बिक्री (खा० ५०) ८०।) उधार बिक्री	८००॥।) माल खाते नाम (खा० ५०) ३००) कपड़ा ५००॥।) रेशम
२८०।)	८००॥।)
३००) नारायणदास के जमा (खा० २८) ३००) कपड़ा	८८१) जोड़
१५८०।) जोड़	६९९।) श्री रोकड़ बाक़ी रही
	१५८०।)

खाताबही सन् १९१८ ई० (कल्पित)

[खाता पन्ना २८]

श्री खाता लाला नारायणदास जी सन् १९१८ ई०

जमा ——— नाम

३००) रो० प० १४६ ता० १ फ़र्वरी

[खाता पन्ना ४१]

श्री खाता हरिशङ्करजी सन् १९१८ ई० (कल्पित)

जमा ——— नाम

८०) रो० प० १४६ ता० १ फ़र्वरी

[खाता पन्ना ५०]

श्री माल खाता सन् १९१८ ई० (कल्पित)

जमा ——— नाम

२८०) रो० प० १४६ ता० १ फ़र्वरी ८००॥) रो० प० १४६ ता० १ फ़र्वरी

(२) सन् १९१९ ई०

एक व्यापारी ने ५००) की रुई मार्च सन् १९१९ ई० को नानकचन्द से ख़रीदी, जिसमें २००) नक़द दिये बाक़ी उधार रक्खे। उसी दिन १००) की अलसी नक़द बेची, १२५) का चावल नसीरअली की दुकान से उधार मँगवाया, तो इन रक़मों को पक्की रोकड़ बही, खाता बही में कैसे लिखेंगे ?

पक्की रोकड़ बही

श्री शुभ मिती १ मार्च सन् १९१९ ई०

जमा ——— नाम

७५०) श्री रोकड़ बाक़ी (कल्पित) २००) नानकचन्द के नाम

(खा० ३१) २००) रो० ह० खुद

जमा	नाम
५००) नानकचन्द के जमा	
(खा० ३१) ५००) रुई	६२५) माल खाते नाम
	५००) रुई
१२५) नसीरअली के जमा	(खा० ४८) १२५) चावल
(खा० ३०) १२५) चावल	
	६२५)
१००) माल खाते जमा	
(खा० ४८) १००) अलसी	८२५) जोड़
१४७५) जोड़	६५०) श्री रोकड़ बाक़ी रही
	१४७५)

खाता बही सन् १६१६ ई०

[खाता पन्ना ३०]

श्री खाता नसीरअली सन् १६१६ ई०

जमा	नाम
१२५) रो० प० १४८ ता० १ मार्च	

[खाता पन्ना ३१]

श्री खाता लाला नानकचन्द जी सन् १६१६ ई०

जमा	नाम
५००) रो० प० १४७ ता० १ मार्च	२००) रो० प० १४७ ता० १ मार्च

[खाता पन्ना ४८]

श्रीमाल खाता सन् १६१६ ई०

जमा	नाम
रो० प० १४८ ता० १ मार्च	६२५) रो० प० १४८ ता० १ मार्च

(३) सन् १९२० ई०

रामलाल नामी आगरे के महाजन ने २००) गेहूँ दर ६) तारीख़ ८ जनवरी सन् १९२० ई० को अब्दुलअज़ीज़ की दुकान से ख़रीदे और दो नोट पांच पांच सौ रुपये वाले उसको दिये; फिर उस महाजन को उसी दिन गङ्गादीन से १००) ब्याज के मिले और ४००) की चांदी नक़द बेची इन रक़मों को रोज़नामचा और खाता बही में लिखो।

[नमूना रोज़नामचा रामलाल महाजन]

श्री शुभ मिती ८ जनवरी सन् १९२० ई०

जमा

१६००) श्री रोकड़ बाक़ी (कल्पित)

१२००) अब्दुलअज़ीज़ के जमा
(खा० १) १२००) गेहूँ २००) दर ६)

११०) ब्याज खाते जमा
(ख०५०) १००) रो० ह० खुद

१००) गङ्गादीन के जमा
(खा०१४) १००) रो० ब्याज ५०००) का दर २) सै० १ माह का (मूल, दर कल्पित)

४००) चांदी खाते जमा
(खा०१७) ४००) रोकड़ी

३४००) जोड़

नाम

१०००) अब्दुलअज़ीज़ के नाम
(खा० १) १०००) नोट २ पांच २ सौ वाले ह० खुद

१२००) गेहूँ खाते नाम
(खा० १५) १२००) गेहूँ २००) दर ६)

१००) गङ्गादीन के नाम
(खा० १४) १००) रो० ब्याज ५०००) का १ माह का दर २) सै० (मूल, काल, दर कल्पित)

२३००) जोड़

११००) श्रीरोकड़ बाक़ी रही

३४००)

नमूना खातावही रामलाल महाजन सन् १६२० ई०

[खाता पन्ना १३]

श्री खाता शेख अब्दुलअज़ीज़ दुकानदार सन् १६२० ई०

जमा	नाम
१२००) रो० प० १४६ ता० ८ जन०	१०००) रो० प० १४६ ता० ८ जन०

[खाता पन्ना १४]

श्री खाता गङ्गादीन जी सन् १६२० ई०

जमा	नाम
१००) रो० प० १२७ ता० ८ जन०	५०००) बाक़ी आई खा० सन् १६ ई० प० १५ (कल्पित)
	१००) रो० प० १४६ ता० ८ जन०

[खाता पन्ना १५]

श्री गेहूँ खाता सन् १६२० ई०

जमा	नाम
	१२००) रो० प० १४६ ता० ८ जन०

[खाता पन्ना १७]

श्री चांदी खाता सन् १६२० ई०

जमा	नाम
४००) रो० प० १४६ ता० ८ जनवरी	१०००) रो० प० १० ता० १ जन० (कल्पित)

[खाता पन्ना ५०]

श्री ब्याज खाता सन् १९२० ई०

जमा	नाम
	१००) रो० पृ० १४६ ता० ८ जनवरी

.(४) सन् १९२१ ई०

हीरालाल नामी इलाहाबाद के एक काग़ज़ी ने १४ जनवरी सन् १९२१ ई० को नबीजान बिसाती को १००) उधार दिये और ५० रिम काग़ज़ दर ८) रिम से नक़द बेचा। १५ जनवरी सन् १९२१ ई० को ४ रिम काग़ज़ १०) रिम से नक़द बेचा और १० रिम काग़ज़ ३) रिम से नबीजान के हाथ उधार बेचा, ५) चन्दा पाठशाला का दिया और बिसाती ने काग़ज़ी को ८ नोट दस रुपयेवाले दिये इन सब रक़मों को रोज़नामचा और खाताबही में कैसे लिखोगे ?

[नमूना रोज़नामचा हीरालाल काग़ज़ी]

श्री शुभ मिती १४ जनवरी सन् १९२१ ई०

जमा	नाम
५००) श्री रोकड़ बाक़ी कल्पित	१००) नबीजान बिसाती के नाम (खा० २८) १००) रो० ह० खुद
४००) माल खाते जमा (खा० ५१) ४००) रिम ५० दर ८)	१००) जोड़
९००) जोड़	८००) श्री रोकड़ बाक़ी रही
	९००)

श्री शुभ मिती १५ जनवरी सन् १९२१ ई०—(२

जमा	नाम
८००) श्री रोकड़ बाकी	३०) नवीजान बिसाती के नाम (खा० २८) ३०) रिम १० दर ३)
७०) माल खाते जमा ४०) रिम ४ दर १०) (खा० ५१) ३०) रिम १० दर ३)	५) खैरात खाते नाम (खा० १५) ५) चन्दा पाठशाला [illegible]
७०)	३५) जोड़
८०) नवीजान बिसाती के जमा (खा० २८) ८०) नोट ८ दस दस रुपये वाले	६१५) श्री रोकड़ बाकी
	६५०)
६५०) जोड़	

[खाता बही हीरालाल काग़ज़ी सन् १९२१ ई०]

[खाता पन्ना २८]

श्री खाता नवीजान बिसाती सन् १९२१ ई०

जमा	नाम
८०) रो० प० १५२ ता० १५ जनवरी	१००) रो० प० १५१ ता० १४ जन०
	३०) रो० प० १५२ ता० १५ जन०

[खाता पन्ना ५१]

श्री माल खाता सन् १९२१ ई०

जमा	नाम
४००) रो० प० १५१ ता० १४ जन०	१०००) रो० प० १० ता० १५ जन०
	(कल्पित)
७०) रो० प० १५२ ता० १५ जन०	

[खाता पन्ना ५२]

श्री ख़ैरात खाता सन् १९२१ ई०

जमा	नाम
	५) रो० प० १५२ ता० १५ जनवरी

(५) सन् १९२२ ई०

१ जनवरी सन् १९२२ ई० को रामलाल बज़ाज़ ने १० थान मलमल दर ३०) थान नक़द बेचे और २ थान गबरून दर १५) थान सोहनलाल के हाथ उधार बेचे, जिस में सोहनलाल ने २०) नक़द दिये । २ जनवरी को २ थान मारकीन ५०) को बेचे । सोहनलाल ने ५ नोट दस दसवाले दिये, इसी तारीख़ को =) के काग़ज़; ≡) की रोशनाई ली; -) फ़कीर को दिया, शाम को हिसाब करते समय =) की कमी पड़ी । इन सब को रोज़नामचा और खाता वही में लिखकर दिखलाओ ।

[रोज़नामचा रामलाल बज़ाज़]

श्री शुभ मिती १ जनवरी सन् १९२२ ई०—(१)

जमा

२००) श्री रोकड़ बाक़ी (कल्पित)

३३०) माल खाता जमा
(खा० ५०) ३००) मलमल थान १० दर ३०)
३०) गब० थान २ दर १५)

३३०)

२०) सोहनलाल के जमा
(खा० ४०) २०) रो० ह० खुद

५५०) जोड़

नाम

३०) सोहनलाल के नाम
(खा० ४०) ३०) गबरून थान २ दर १५)

३०) जोड़

५२०) श्रीरोकड़ बाक़ी रही

५५०)

श्री शुभ मिती २ जनवरी सन् १९२२ ई०—(२)

जमा

५२०) श्री रोकड़ बाक़ी

५०) माल खाता जमा
(खा० ५०) ५०) मारकीन थान २ दर २५)

नाम

।–) दुकान ख़र्च खाते नाम
(खा० ५१) =) काग़ज़
=) रोशनाई

।–)